छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 33 ■ अम्बिकापुर, गुरूवार 22 जनवरी 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

संविलियन बिना वरिष्ठ चिकित्सा शिक्षक बन गए, मिला अधिष्ठाता और अधीक्षक का दायित्व

विवि कार्यपरिषद द्वारा नियुक्त चिकित्सा शिक्षक प्रदेश के कई चिकित्सा महाविद्यालयों में सेवा दे रहे, लोक सेवा आयोग से चयनित पदोन्नति से वंचित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। चिकित्सा शिक्षा विभाग में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय कार्यपरिषद द्वारा नियुक्त चिकित्सा शिक्षकों को संविलियन के बिना अवैद्य रूप से वरिष्ठता सूची में शामिल करते हुए पदोन्नति देने का मामला सामने आया है। वहीं लोक सेवा आयोग से चयनित चिकित्सा शिक्षकों को पदोन्नति का लाभ नहीं दिया गया, जिससे पात्र चिकित्सकों में आक्रोश है। बता दें छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सीआईएमएस) बिलासपुर का स्थापना करने के बाद राज्य शासन की ओर से इसका संचालन करने के लिए गुरु घासीदास विश्वविद्यालय से टाईअप किया गया था। इसी क्रम में सीआईएमएस का संचालन करते हुए गुरु घासीदास विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् द्वारा शैक्षणिक व्यवस्था संचालन हेतु वर्ष 2002-2007 तक 48 चिकित्सा शिक्षकों की नियुक्ति सह प्राध्यापक, व्याख्याता, डेमोस्ट्रेटर पद पर 02 वर्ष की परिविक्षा अवधि के शर्तों के साथ किया गया था। जून 2008 में राज्य शासन द्वारा सीआईएमएस बिलासपुर का पद संरचना स्वीकृत करते हुए अधिकृत कर संचालन किया जाने लगा। जिला चिकित्सालय बिलासपुर के नवीन सेटअप में स्वीकृत पदों पर संविलियन पश्चात शेष कर्मचारियों को सीआईएमएस बिलासपुर में

स्वीकृत पद अनुरूप संविलियन किया गया, जबकि गुरु घासीदास विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् द्वारा नियुक्त चिकित्सा शिक्षकों में सह प्राध्यापक, व्याख्याता, डेमोस्ट्रेटर को तकनीकी कारणों से समायोजित नहीं किया गया। इसके बाद सीआईएमएस बिलासपुर का अधिग्रहण करते हुए राज्य शासन द्वारा संचालन किया जाने लगा।

जानकारी के मुताबिक अधिग्रहण के शर्तों अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त अधिकारी, कर्मचारी वापस विश्वविद्यालय गए एवं सीआईएमएस कार्यपरिषद द्वारा संविदा नियुक्त कर्मचारी, अधिकारी तथा जिला चिकित्सालय के कर्मचारी, अधिकारी सीआईएमएस बिलासपुर में कार्य संपादित करने लगे। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् द्वारा नियुक्त कर्मचारी, अधिकारी मूल पदस्थापना स्थल गुरु घासीदास विश्वविद्यालय वापस लौटे जबकि विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् द्वारा नियुक्त 48 चिकित्सा शिक्षकों में सह प्राध्यापक, व्याख्याता, डेमोस्ट्रेटर राज्य शासन की अनुमति, संविलियन या समायोजित आदेश बगैर सीआईएमएस बिलासपुर में ही कार्य करते रहे। ऐसे में संचालनालय चिकित्सा शिक्षा द्वारा शासन को अंधेरे में रखते हुए अवैध रूप से वरिष्ठता का लाभ दिया गया एवं नियमित चिकित्सा शिक्षकों के समान वेतन, भत्ते सहित अन्य सुविधाएं भी प्रदान किया जाता रहा।

सीआईएमएस बिलासपुर संचालन हेतु गुरु घासीदास विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् द्वारा नियुक्त 48 चिकित्सा शिक्षकों का समायोजन, संविलियन राज्य शासन द्वारा आज दिनांक तक नहीं किया गया है, इसके बाद भी संचालनालय चिकित्सा शिक्षा द्वारा अवैध रूप से वरिष्ठता सूची में इन्हें शामिल करके पदोन्नति का लाभ दिया जा रहा है, जो गंभीर अनियमितता की ओर इशारा करता है। जबकि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित चिकित्सा शिक्षकों द्वारा गुरु घासीदास विश्वविद्यालय कार्यपरिषद द्वारा नियुक्त चिकित्सा शिक्षकों को वरिष्ठता सूची में शामिल किए जाने पर आपत्ति भी जताई गई है।

नियमित चिकित्सा शिक्षकों के समान मिला लाभ

छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा 4-5 बार परीक्षा आयोजित कर नियमित चिकित्सा शिक्षकों की नियुक्ति की गई। नियमानुसार छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा ही चिकित्सा शिक्षकों की नियमित नियुक्ति एवं पदोन्नति का प्रावधान भी है, फिर भी गुरू घासीदास विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् द्वारा नियुक्त चिकित्सा शिक्षकों के संबंध में राज्य शासन द्वारा समायोजन, संविलियन आदेश नहीं होने के बावजूद वरिष्ठता सूची में सम्मिलित करते हुए वरिष्ठ मानकर नियमित चिकित्सा शिक्षकों के समान पदोन्नति का लाभ दिया जा रहा है, जो संचालनालय चिकित्सा शिक्षा की कार्य प्रणाली पर भी सवालिया निशान खड़ा करता है।

लोक सेवा आयोग के माध्यम से नियुक्त शिक्षकों को मिले प्रभार

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ का आरोप है कि गुरू घासीदास विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् द्वारा नियुक्त चिकित्सा शिक्षकों को वरिष्ठता का लाभ देते हुए प्रदेश के कई चिकित्सा महाविद्यालयों में अधिष्ठाता एवं अधीक्षक जैसे पदों पर कार्य लिया जा रहा है, जो नियमानुसार सही नहीं है। इन्हें तत्काल पद से हटाने और छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के माध्यम से नियुक्त शिक्षकों को प्रभार दिया जाना चाहिए। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् द्वारा नियुक्त चिकित्सा शिक्षक न तो लोक सेवा आयोग से चयनित हैं और न ही राज्य शासन द्वारा चिकित्सा शिक्षा विभाग में आज दिनांक तक इन्हें समायोजित ही किया गया है।

> ''चिकित्सा शिक्षा जैसे संवेदनशील विभाग में बगैर छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग से चयनित गुरु घासीदास विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् द्वारा नियुक्त चिकित्सा शिक्षकों की अवैध रूप से वरिष्ठता सूची में शामिल करते हुए वरिष्ठ मानकर दिए गए पदोन्नति की जांच राज्य स्तरीय टीम गठित करके कराई जानी चाहिए। गंभीर मामले में उचित कार्रवाई की मांग छत्तीसगढ़ शासन लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण व चिकित्सा शिक्षा मंत्रालय के सचिव से की गई है, कार्रवाई की प्रतीक्षा है।''
>
> **अनिल कुमार पांडेय**
> **प्रांताध्यक्ष, छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ**

ऑनलाइन शॉपिंग दौरान स्कीम का झांसा देकर 1.77 लाख की ठगी करने वाला गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मेडिकल कॉलेज परिसर में रहने वाले एक व्यक्ति ने ऑनलाइन कंपनी से सामान ऑर्डर किया, इसके बाद कॉलर द्वारा स्वयं को कंपनी से जुड़ा होना बताकर स्कीम का लाभ देने का झांसा दिया और अलग-अलग किश्तों में 1 लाख 77 हजार 903 रुपये की ठगी कर ली। जानकारी के मुताबिक मूलत: कोरबा जिले के सीएसईबी थाना अंतर्गत रामपुर निवासी नितिश टोप्पो पिता बेने टोप्पो 24 वर्ष अंबिकापुर के मेडिकल कॉलेज परिसर में रहता है। 13 जनवरी को वह डॉक्टर सेत नामक ऑनलाइन कंपनी से सामान मंगवाया। कुछ देर बाद अज्ञात नंबर से उसे फोन आया। फोन करने वाले ने स्वयं को डॉ. सेतराम कंपनी का होने की बात कहकर स्कीम के बारे में जानकारी दी। आरोपी द्वारा नितिश को स्कीम के झांसे में लेकर अलग-अलग किश्तों में कुल 1 लाख 77 हजार 903 रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित द्वारा सायबर फ्रॉड पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई थी। पुलिस द्वारा रिपोर्ट का अवलोकन करने पर एचडीएफसी बैंक के खाता नंबर में फर्स्ट लेयर में रुपये ट्रांसफर कर आहरण व अन्य खातों में ट्रांसफर किया जाना पाया गया। खाता के संबंध में जानकारी लेने पर उक्त खाता असीम रॉय पिता स्व. रामसिंगार रॉय 35 वर्ष निवासी 03 एमएम फीडर रोड कमारहाटी एम नार्थ 24 परगना थाना बेलगढ़िया पश्चिम बंगाल के नाम पर दर्ज होना पाया गया। खाताधारक को थाना बुलाकर पूछताछ करने पर पहले वह पुलिस को उलझाने का प्रयास किया। आरोपी के अनुसार उसके स्टूडियो में काम करने वाले एक व्यक्ति द्वारा खाते में पैसा जमा कराया गया था, जिसे वह एटीएम से निकालकर दिया और कुछ पैसों को दूसरे खाते में ट्रांसफर कर दिया। इसी में से 25 हजार रुपये वह अपने पास बचाकर रखा था। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी टूट गया और ठगी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया है, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। कार्रवाई में गांधीनगर निरीक्षक प्रवीण कुमारी द्विवेदी, आरक्षक अरविन्द उपाध्याय, ऋषभ सिंह, विकास सिंह सक्रिय रहे।

कलेक्टर से अनुमति दिलाकर जमीन दिलाने के नाम पर 13.30 लाख की ठगी

सीएसपी ने की मामले की जांच, सात आरोपियों के विरूद्ध केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जमीन बिक्री एवं कलेक्टर से अनुमति दिलाने के नाम पर 13 लाख 30 हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। प्रकरण में शिकायत पर हुई जांच के बाद कोतवाली पुलिस ने सात आरोपियों के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध किया है।

जानकारी के मुताबिक शहर के बिलासपुर चौक निवासी 36 वर्षीय दीपक कुमार अग्रवाल ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत की थी कि मठपारा निवासी दिनेश गुप्ता, दरिमा निवासी जीतु घासी, अमगांव लुण्ड्रा के सूरज घासी, फतीराम घसिया व ग्राम चिरगा निवासी सोहर, नईहर साय उर्फ केन्दू तथा दशमेत द्वारा ग्राम मोहरा एवं अमगांव, तहसील लुण्ड्रा क्षेत्र में शासकीय भूमि दिखाने के बाद कलेक्टर से परमिशन कराकर 6 एकड़ भूमि दिलाने का भरोसा दिलाया गया और 60 डिसमिल भूमि अधिकार का अभिलेख दिखाया। कलेक्टर से परमीशन कराकर भूमि देने के एवज में आरोपियों ने उससे किश्तों में कुल 13 लाख 30 हजार 870 रुपये प्राप्त कर लिया, इसके बाद ना तो आरोपियों द्वारा भूमि का वैधानिक परमीशन कराया गया और न ही निर्धारित समय में राशि वापस की गई। जब आवेदक ने ली गई रकम को लौटाने के लिए कहा तो सभी टालमटोल करने लगे। मामले की थाना लुण्ड्रा में शिकायत करने के बाद आरोपियों ने 45 दिनों के भीतर राशि लौटाने का लिखित आश्वासन दिया, तय अवधि बीतने के बाद केवल 50 हजार रुपये ही वापस किए गए। शेष राशि 15 दिनों में देने का वायदा किया गया, जो शिकायत की तिथि तक प्रदान नहीं किया गया है। आरोप है कि पिछले एक वर्ष से उसे लगातार घुमाया जा रहा है और मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है। इनके द्वारा दरिमा क्षेत्र में 3 डिसमिल भूमि देने का भी वादा किया गया, जो अब तक पूरा नहीं हुआ है। बार-बार शिकायत के बावजूद समाधान नहीं होने पर आवेदक ने पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों के समक्ष गुहार लगाई। मामले की जांच नगर पुलिस अधीक्षक द्वारा की गई, जिसमें प्रथम दृष्टया ठगी का अपराध घटित होना पाया गया। इसके बाद अनावेदकों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 3(5) के तहत अपराध दर्ज कर लिया गया है।

गिरफ्त में आए सटोरिये के साला सहित दो के विरूद्ध अपराध दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। थाना कोतवाली पुलिस ने जुआ प्रतिषेध अधिनियम एवं आईटी एक्ट के मामले की विवेचना के दौरान आरोपी आयुष सिन्हा उर्फ दीप सिन्हा के मोबाइल में मिले वाट्सअप चैट व फोन पे हिस्ट्री का अवलोकन करने के बाद उसके साला संतोष कश्यप व मोन्टी सोनी उर्फ मुरलीधर सोनी के विरूद्ध अपराध दर्ज कर लिया है। मुख्य सटोरिये को पुलिस ने पुणे महाराष्ट्र से गिरफ्तार करके एक दिन पहले ही जेल भेजा है। शासन की ओर से निरीक्षक शशिकांत ने जांच में पाया कि फरार अवधि में आयुष के नंबर पर वाट्सअप चैट करके उसके साला सहित अन्य ने बातचीत किया था। संतोष कश्यप एवं मोन्टी सोनी के द्वारा 50-50 हजार रुपये एटीएम के माध्यम से फरार आरोपी आयुष सिन्हा के खाता में डाला गया। फरार आरोपी आयुष सिन्हा ऑनलाइन सट्टा व उक्त प्रकरण में मुख्य आरोपी है, इसके बावजूद संतोष कश्यप के द्वारा 2 लाख 10 हजार रुपये 17.11.2025 को उसके खाते में डाला गया है। दोनों के विरूद्ध गंभीर अपराध के फरार आरोपी आयुष सिन्हा को छिपाने व संश्रय देने के साथ लगातार मदद करना पाए जाने पर पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।

कांग्रेस के स्वागत कार्यक्रम में स्कूली बच्चों की मौजदूगी और नारेबाजी ने पकड़ा सियासी तूल

भाजपा नेताओं ने स्कूल प्रबंधन के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

विद्यालय प्रबंधन की भूमिका पर खड़े हुए सवाल, मामले में प्रशासन गम्भीर

छ.ग.फ्रंटलाइन सूरजपुर। कांग्रेस के एक स्वागत कार्यक्रम में स्कूली बच्चों की मौजदूगी और नारेबाजी ने न केवल सियासी तूल पकड़ लिया है, बल्कि मामले में विद्यालय प्रबंधन की भूमिका पर भी सवाल खड़े कर दिए है।मामले को जिस ढंग से प्रशासन ने गम्भीरता से लिया है उससे सम्भव है कि स्कूल प्रबंधन को इसका खमियाजा भी भुगतना पड़ सकता है।मंगलवार को रामानुजनगर ब्लॉक के गनेशपुर में आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ विक्रांत भूरिया का स्वागत समारोह कार्यक्रम आयोजित था।बताया गया है कि कांग्रेस के आदिवासी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष हसदेव प्रवास पर आए हुए थे।इस दौरान तारा जाते वक्त उनका यह कार्यक्रम था।इस कार्यक्रम में भीड़ बढ़ाने के लिए कांग्रेस ने स्कूली बच्चों को बुला लिया जहाँ लाइन से खड़े बच्चों से हसदेव बचाओ के नारे लगवाए गए। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही भाजपा नेताओं के कान खड़े हो गए और इस कृत्य पर न केवल भाजपा नेताओं ने नाराजगी जाहिर की बल्कि स्कूल प्रबंधन खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई।भाजपा नेताओं ने इस मामले में जहां कांग्रेस नेताओं की नैतिकता पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि स्वागत कार्यक्रम में स्कूली बच्चों का उपयोग किया जाना कहाँ तक उचित है।भाजपा नेताओं ने यह भी कहा है कि स्कूल प्रबंधन ने बच्चों को ऐसे कार्यक्रम में जाने की अनुमति क्यों और कैसे दे दी..?मामले का वीडियो वायरल होते और भाजपा नेताओं की नाराजगी सामने आने के बाद प्रशासन ने मामले को गम्भीरता से लिया और जांच के आदेश दिए है। कांग्रेस की जिलाध्यक्ष शशि सिंह ने कहा है कि बच्चों को बुलाया नही गया था बल्कि वे उत्सुकता वश वहां पहुँच गए थे।जबकि भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी ने पूछा कि बच्चे बिन बुलाए पहुँचे थे तो लाइन से खड़े क्यों किए गए है और उनसे नारेबाजी कराई जा रही है वह कहाँ तक उचित है। बताया जा रहा है कि मामले में प्राथमिक तौर पर स्कूल प्रबंधन की लापरवाही सामने आ रही है और अगर जांच में यह स्पस्ट हो जाता है तो प्रचार्य पर गाज गिर सकती है..!

जांच रिपोर्ट का इंतजार कीजिये....

जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्र ने कहा है वायरल वीडियो उन तक भी पहुँचा है और मामले की सच्चाई जानने के लिए रामानुजनगर बीईओ को जांच के निर्देश दिए गए है।जांच रिपोट सामने आने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

अडानी का सुपरवाइजर दुकान में गिरकर हुआ अचेत, होलीक्रॉस अस्पताल लाते तक हुई मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अडानी में काम करने वाला युवक दुकान से सामान लेने के बाद अचानक गिरकर अचेत हो गया। दुकान संचालक व साथियों के सहयोग से उसे परसा केते में स्थित अडानी के अस्पताल लाया गया, अंबिकापुर लाते तक युवक की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक सूरजपुर जिला के ग्राम सपकरा ददरी का दारा सिंह पिता खईसा राम 28 वर्ष, परसा केते में स्थित अडानी में सुपरवाइजर का काम करता था। बुधवार को सुबह करीब 6.30 बजे वह किराना दुकान में कुछ सामान लेने के लिए गया था। सामान लेने के बाद फोन पे से भुगतान कर रहा था, इसी दौरान अचानक गिरकर बेहोश हो गया। दुकानदार और युवक के साथ गए लोग उसे आननफानन में उठाकर अडानी कंपनी के अस्पताल में लेकर पहुंचे, यहां से प्राथमिक उपचार के बाद युवक को होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लाया गया, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का पता चल पाएगा। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

केआर टेक्निकल कॉलेज के रासेयो शिविर का कुलपति ने किया उद्घाटन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। केआर टेक्निकल कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ द्वारा नशामुक्त समाज के लिए युवा विषय पर सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन 21 जनवरी को शासकीय उमावि श्यामनगर, प्रतापपुर में शुरू हुआ। शिविर के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा के माननीय प्रो. राजेंद्र लाकपाले, विशिष्ट अतिथि कुलसचिव डॉ. शारदा प्रसाद त्रिपाठी, संरक्षक कांत दुबे एवं महाविद्यालय परिवार उपस्थित थे। कुलपति ने उद्घाटन सत्र में स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए नशामुक्त समाज के लिए युवाओं के दायित्वों का बोध कराया, साथ ही उन्होंने विकसित भारत में लक्ष्य में युवाओं के महत्वपूर्ण भूमिका पर भी विस्तृत जानकारी प्रदान की।

गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में गूंजेगी अंबिकापुर की थाप

प्रधानमंत्री मोदी के सामने कत्थक की प्रस्तुति देगी शहर की बेटी तनीषा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर की गौरव अब अपनी चमक देश की राजधानी में बिखेरेगी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित भव्य समारोह में अंबिकापुर शहर की बेटी तनीषा अग्रवाल का चयन हुआ है, जो अपने समूह के साथ कत्थक नृत्य की शानदार प्रस्तुति देंगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं अन्य अतिथियों की मौजूदगी में यह प्रदर्शन होगा, जो छत्तीसगढ़ व सरगुजा के लिए गौरव का पल होगा। दिल्ली के कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में यह प्रस्तुति प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय ध्वज फहराने के पश्चात होगी। तनीषा व परिवार के सदस्य देश की राजधानी में आयोजित कार्यक्रम के लिए चयन होने से हर्षित हैं। लाखों लोगों के सामने इनके द्वारा दी जाने वाली प्रस्तुति वास्तव में अंबिकापुर ही नहीं बल्कि सरगुजा संभाग और छत्तीसगढ़ वासियों के लिए गर्व का क्षण होगा।

खेल प्रतिभाओं को निखारने सरगुजा ओलंपिक का होगा आयोजन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खेल प्रतिभा को पहचान कर खिलाड़ी के रूप में तैयार करने सरगुजा ओलंपिक 2025-26 का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में कुल 12 खेलों के खेल प्रतियोगिताएं विकासखंड जिला एवं संभाग स्तर पर आयोजित किए जायेंगे। प्रतियोगिता में 12 खेलों में एथलेटिक्स (100, 200, 400 मीटर लंबी कूद, ऊंची कूद शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो, रिले रेस, तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबॉल, कराटे, कबड्डी, खो खो, वॉलीबॉल, बास्केटबाल, रस्साकशी केवल महिला सीनियर वर्ग के लिए, जिला स्तर पर हॉकी एवं कुश्ती की प्रतियोगिता की जानी है। ओलंपिक खेल आयु वर्ग अनुसार दो वर्गों में आयोजन किया जाएगा जिसमें जूनियर वर्ग में 14 से 17 वर्ष एवं सीनियर वर्ग में 17 से अधिक उम्र के प्रतिभागी शामिल हो सकेंगे। खेल में शामिल होने वाले प्रतिभागी 25 जनवरी तक https://rymc.cg.gov.in/sargu-jaolympicw@ wz दिए गए लिंक में आवेदन कर सकते हैं।

जलाशय को मछली पालन हेतु आबंटित करने आवेदन आमंत्रित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जनपद पंचायत रामचंद्रपुर के सीईओ रणवीर साय ने बताया कि सहायक संचालक मत्स्य पालन विभाग द्वारा रामचंद्रपुर के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत अन्नपारा का अन्नपारा जलाशय व ग्राम पंचायत बाहरचुरा के बाहरचुरा जलाशय को मछली पालन हेतु 10 वर्ष के लिए पट्टे पर आबंटित किया जाना है। इस संबंध में उन्होंने इच्छुक पंजीकृत मछुआरा समिति, स्व-सहायता समूह, मछुआ समूह व मछुआ व्यक्ति से निर्धारित प्रारूप में 27 जनवरी 2026 शाम 5:30 बजे तक कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रामचंद्रपुर में जमा कर सकते है।

एसआईआर के संबंध में संभागायुक्त की उपस्थिति में राजनीतिक दलों का बैठक सम्पन्न

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सरगुजा संभागायुक्त एवं रोल आब्जर्वर नरेन्द्र कुमार दुग्गा की उपस्थिति में संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के संबंध में राजनीतिक दलों के अध्यक्ष/प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजेन्द्र कटारा, उपायुक्त श्रीमती शारदा अग्रवाल, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री चेतन बोरघरिया, अपर कलेक्टर श्री अभिषेक गुप्ता, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी रामानुजगंज श्री आनंद राम नेताम, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सामरी श्री करुण डहरिया, सहित मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के अध्यक्ष/प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बैठक की शुरुआत में संभागायुक्त श्री दुग्गा ने सर्वप्रथम सभी राजनैतिक दलों से परिचय प्राप्त किया। तत्पश्चात कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजेंद्र कटारा ने जिले में चल रहे एसआईआर के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। इस दौरान संभागायुक्त ने विधानसभा, तहसीलवार मतदान केंद्रों की जानकारी ली। बैठक में संभागायुक्त श्री दुग्गा ने मतदाता सूची से संबंधित दावा-आपत्तियों की सुनवाई के संबंध में चर्चा की। संभागायुक्त श्री दुग्गा ने कहा कि सभी योग्य व्यक्ति का निर्वाचक सूची में पंजीकरण करने के उद्देश्य से विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निर्वाचक सूची में किसी भी योग्य नागरिक का नाम ना छूटे और अयोग्य का नाम ना जुड़े। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से जिले में मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को सहयोग प्रदान करने अपील की।

बैठक में राजनीतिक दलों के अध्यक्ष/प्रतिनिधियों से अपील करते हुए मतदाताओं को जागरूक करने, पात्र मतदाताओं का नाम सूची में जुड़वाने, अपात्र प्रविष्टियों को हटाने तथा आवश्यक संशोधन हेतु दावा-आपत्ति प्रस्तुत करने में अपने-अपने स्तर में सहयोग करने कहा। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने बैठक में अपने सुझाव एवं समस्याओं को रखा, जिसका प्राथमिक स्तर पर संभागायुक्त द्वारा निराकरण किया गया एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को सुनवाई के दौरान आये मतदाताओं का आवश्यक सहयोग प्रदान करने हेतु निर्देशित किया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों को संभागायुक्त द्वारा पात्र मतदाताओं का नाम किसी भी परिस्थिति में मतदाता सूची से नहीं हटाने का आश्वासन दिया गया।

बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजेन्द्र कटारा ने बताया कि दावा-आपत्तियों की सुनवाई निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी और प्राप्त सभी आवेदनों का नियमानुसार परीक्षण कर निष्पक्ष निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने दावा-आपत्ति प्राप्त करने, उनके निराकरण, समय-सीमा, प्रपत्रों की जानकारी तथा सुनवाई की कार्यप्रणाली के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

संभागायुक्त ने मतदान केंद्र जुड़नियापारा का किया निरीक्षण

बैठक पश्चात संभागायुक्त श्री नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने मतदान केंद्र जुड़नियापारा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने मतदाता पंजीकरण, नाम जोड़ने-हटाने, संशोधन कार्य तथा दावा-आपत्ति से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी ली। संभागायुक्त ने बीएलओ से चर्चा कर कार्य प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि सभी पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से शामिल करें तथा अपात्र प्रविष्टियों को नियमानुसार हटाए। साथ ही उन्होंने पारदर्शिता, समयबद्धता एवं निष्पक्षता के साथ एसआईआर प्रक्रिया संपन्न कराने के निर्देश दिए।

रविन्द्रनगर उचित मूल्य दुकान से चोरों ने पार किया चावल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत रविंद्रनगर में स्थित सामुदायिक भवन में संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। गौरतलब है कि शासकीय उचित मूल्य दुकान रविंद्रनगर का संचालन गणेशपुर निवासी अभिलाष किंडो द्वारा किया जाता है। 21 जनवरी की दोपहर लगभग 2 बजे दुकान संचालक किसी व्यक्ति का केवाईसी कराने के लिए दुकान पहुंचा था। जैसे ही वह सामुदायिक भवन के पास पहुंचा, उसने देखा कि भवन का ताला और दरवाजा टूटा हुआ है।

अनहोनी की आशंका से घबराए संचालक ने जब अंदर जाकर देखा तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। दुकान में रखे गए करीब 45 से 50 बोरी चावल गायब थे। इतना ही नहीं चोरी की जल्दबाजी में कुछ चावल दरवाजे के बाहर तक बिखरे हुए मिले, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि चोर रात के अंधेरे में भारी मात्रा में चावल ले उड़े हैं। घटना की जानकारी मिलते ही दुकान संचालक ने तत्काल ग्राम सरपंच, फूड इंस्पेक्टर सूरजपुर को सूचना दी। इसके बाद जयनगर थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। उचित मूल्य दुकान से इतनी बड़ी मात्रा में चावल चोरी होने से गरीब और जरूरतमंद राशन कार्डधारियों के सामने संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द राशन की व्यवस्था नहीं की गई तो उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ की जा रही है।

एकल अभियान के तहत श्री हरि सत्संग प्रतियोगिता उत्सव संपन्न

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एकल अभियान संस्कार शिक्षा द्वारा आयोजित एकल श्री हरि सत्संग प्रतियोगिता उत्सव का आयोजन मां समलेश्वरी मंदिर प्रांगण संच जयनगर में किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र की कई कीर्तन मंडलियां उपस्थित रही।

कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक संजय भारत एवं संरक्षक पूरन यादव रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता देवधन राम बिंझिया ने की। विशेष रूप से अंचल व्यास कृष्ण राम एवं संच व्यास श्रीमती शिवकुमारी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। सत्संग प्रतियोगिता उत्सव में कीर्तन मंडली जयनगर, केनापारा मंडली सहित आसपास के क्षेत्रों की कीर्तन मंडलियों ने सहभागिता कर भक्ति-भाव से ओतप्रोत प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान धर्म, संस्कार एवं सामाजिक एकता पर प्रेरणादायक संदेश दिए गए। इस अवसर पर संच समिति सदस्य देवशरण सिंह, सह सचिव देवेंद्र सोनवानी, संच प्रमुख शांति सिंह, ग्राम पंचायत जयनगर की सरपंच श्रीमती राधा बाई, कोषाध्यक्ष राजेंद्र गंवटिया, सह कोषाध्यक्ष मनियारो सहित मनबोध राजवाड़े, राम अवतार, इंद्रावती सिंह, लक्ष्मी राजवाड़े, तपेश्वरी राजवाड़े, किरण सिंह, वृंदावती सिंह, रीभा सिंह, जीरो बाई, सुमित्रा राजवाड़े, विनोद कुमार, संजय कुमार, अशोक, कृष्ण पाल बिंझिया, ब्रह्मदेव बिझिया, श्याम देव, चंदा बघेल, दिलबर राजवाड़े, मोहित राजवाड़े, मोहित रवि, शशि प्रजापति, महावीर, कपिल, अविनाश राजवाड़े, सुशीला राजवाड़े, खुशबू राजवाड़े, सुरुचि सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन संच सचिव देवशरण सिंह व आभार प्रदर्शन संच प्रमुख शांति सिंह द्वारा किया गया।

130 बोरी अवैध धान सहित 1 ट्रैक्टर जब्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर राजेंद्र कटारा के निर्देशन में जिले में अवैध धान के परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए प्रशासन द्वारा सतत निगरानी रखते हुए सख्त कार्रवाई की जा रही है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान समर्थन मूल्य पर धान खरीदी को पारदर्शी एवं सुचारु रूप से संचालित करने के उद्देश्य से राजस्व, पुलिस एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीम के द्वारा सक्रियता से कार्य कर रही है।

इसी क्रम में विकासखंड रामचन्द्रपुर के ग्राम पचावल में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रामानुजगंज श्री आनंद नेताम के नेतृत्व में 1 ट्रैक्टर में 130 बोरी अवैध धान जब्त किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संयुक्त टीम के द्वारा पचावल मोड़ पर जांच के दौरान ट्रैक्टर में अवैध धान का परिवहन किया जा रहा था, जिसे रोक कर जांच किया गया। जांच में चालक द्वारा किसी भी प्रकार का वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया, जिस पर मंडी अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए ट्रैक्टर सहित 130 बोरी अवैध धान को जब्त कर थाना सनावल को सुपुर्द किया गया है।

एमआईएस सहायक के पद के लिए अंतिम मेरिट सूची जारी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने जानकारी दी है कि अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परम्परागत वन निवासी अधिनियम 2006 एवं नियमों के प्रभावी एवं सुचारू क्रियान्वयन हेतु अनुभाग वाड्रफनगर में वन अधिकारी प्रकोष्ठ में एमआईएस सहायक की नियुक्ति के संबंध में दावा-आपत्ति आमंत्रित किया गया था। जिला स्तरीय समिति द्वारा दावा-आपत्ति के निराकरण उपरांत अंतिम मेरिट सूची जारी की गई है।

सूची का अवलोकन जिले के वेबसाईट एवं कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग के सूचना पटल में किया जा सकता है।

ग्रामीण आजीविका सशक्त करने जिला पंचायत सीईओ ने ली बैठक

लखपति दीदी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर की अध्यक्षता में जिला पंचायत के सभा कक्ष में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित बिहान परियोजना की समग्र प्रगति की समीक्षा करते हुए संगठन निर्माण, लखपति दीदी, लोकोस एंट्री तथा 10 के एफपीओ की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई।

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तोमर ने कहा कि बिहान मिशन के प्राथमिकता वाले कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूहों में अधिक से अधिक नए सदस्यों को जोड़ कर लाभान्वित करे तथा सभी समूहों, समूह सदस्यों, ग्राम संगठन एवं संकुल संगठनों की जानकारी का लोक ऑपरेटिंग सिस्टम (लोकोस) में शत-प्रतिशत प्रविष्टिकरण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने लोकोस में क्लस्टर का कट-ऑफ ट्रांजेक्शन शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओ ने लखपति दीदी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि सभी चिन्हांकित लखपति दीदियों के साथ मिलकर उनकी आय में सतत वृद्धि के लिए ठोस एवं व्यावहारिक कार्ययोजना तैयार करें। उन्होंने लखपति दीदियों को मनरेगा योजना से मुर्गी शेड, बकरी शेड एवं अन्य व्यक्तिगत आजीविका गतिविधियों का लाभ दिलाने पर जोर देते हुए संबंधित कैडर के माध्यम से समुचित मांग-पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज तैयार कर समय पर जनपद कार्यालय में प्रस्तुत करने को कहा, ताकि पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध लाभ मिल सके।जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तोमर ने उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि लखपति दीदी एवं स्वयं सहायता समूहों के सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दे, ताकि ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति में ठोस सुधार सुनिश्चित हो सके। उन्होंने आगामी वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित बैंक लिंकेज लक्ष्यों सहित अन्य सभी गतिविधियों को शत् प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की गई इस दौरान सभी समूह सदस्यों का बीमा करवाने तथा नियमानुसार बीमा क्लेम के प्रकरणों को समय से बैंक में प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान सबंधित अधिकारियों ने अपने अपने क्षेत्र की प्रगति, चुनौतियों तथा आगामी कार्ययोजना की जानकारी दी।

बैठक में जिला मिशन मैनेजर, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, ब्लॉक कार्यक्रम मैनेजर एवं एरिया कोऑर्डिनेटर सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने धान खरीदी केन्द्र महाराजगंज का किया औचक निरीक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में किसानों को सुगम खरीदी प्रक्रिया प्रदान करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा धान खरीदी केन्द्र महराजगंज का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने खरीदी केंद्र में धान खरीदी की व्यवस्थाओं और कार्यप्रणाली का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री कटारा ने उपार्जन केंद्रों पर खरीदी व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने समिति प्रभारी से अब तक हुई धान खरीदी का ब्यौरा प्राप्त किया। उन्होंने पंजीकृत किसानों की संख्या, काटे गए टोकन और खरीदे गए धान के विवरण की जानकारी लेते हुए कहा कि खरीदी प्रक्रिया पारदर्शी हो और किसानों को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। केंद्रों पर मौजूद किसानों से बातचीत करते हुए कलेक्टर ने उनकी समस्याएं सुनीं और यह जाना कि उन्हें धान बेचने में कोई असुविधा तो नहीं हो रही है। इस दौरान उन्होंने कहा कि सभी पंजीकृत किसानों से धान की खरीदी की जाएगी। कलेक्टर ने केंद्र में धान के उचित रख-रखाव और पर्याप्त बारदानों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। विदित हो कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के तहत जिले में धान खरीदी की प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। प्रशासन किसानों के हित में पूरी तरह से प्रतिबद्ध है साथ ही जिले में अवैध धान की आवक को रोकने के लिए प्रशासन पूरी तरह से सक्रिय है।

सरस्वती मंदिर में आज से शुरू होगा अखंड हवन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर के आरटीआई कालोनी में स्थित श्री श्री दिव्य ज्ञान दायिनी मां सरस्वती मंदिर में चौदहवां वार्षिकोत्सव समारोह भव्य रूप से आयोजित किया जा रहा है। इस धार्मिक अनुष्ठान को लेकर क्षेत्र में उत्साह और आध्यात्मिक वातावरण का निर्माण हो गया है। मंदिर समिति से प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रमों की शुरुआत 19 जनवरी सोमवार को वेदी पूजन, कलश स्थापना एवं सप्तशती पाठ के साथ कर दी गई है। इसके साथ ही नौ दिनों तक चलने वाले धार्मिक आयोजनों का शुभारंभ होगा। आज 22 जनवरी गुरुवार को प्रात: 10 बजे से अखण्ड हवन प्रारंभ किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु बड़ी संख्या में आहुति देंगे। 23 जनवरी शुक्रवार को प्रात: 7 बजे से मां सरस्वती का सहस्त्रार्चन पूजन किया जाएगा। इसी दिन अखण्ड हवन की पूर्णाहुति प्रात: 10 बजे होगी, जिसके उपरांत श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया जाएगा। 24 जनवरी शनिवार को भक्तिभाव से ओत-प्रोत मां के 1008 नामों का संकीर्तन आयोजित होगा, वहीं 25 जनवरी रविवार को मां का दीप श्रृंगार किया जाएगा, जिसमें मंदिर को भव्य रूप से सजाया जाएगा।

26 जनवरी सोमवार को कन्या भोजन एवं महाप्रसाद वितरण का आयोजन होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम का समापन 27 जनवरी मंगलवार को महिला मंडली द्वारा भजन-कीर्तन के साथ किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं को सपरिवार आमंत्रित किया गया है। आयोजन के संरक्षक के रूप में महामंडलेश्वर त्रिवेणी दास जी महाराज का सान्निध्य प्राप्त होगा। मंदिर समिति ने अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर मां सरस्वती का आशीर्वाद प्राप्त करें और आयोजन को सफल बनाएं।

आकाश चंदेल सोलर पैनल लगवा कर ऊर्जा के क्षेत्र में हुए आत्मनिर्भर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुरूप प्रत्येक घरों में छत पर सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाकर ऊर्जा के लिए आत्मनिर्भर बनाना है। जिले में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम साबित हो रही है।यह योजना न केवल आम लोगों को बिजली बिल के बोझ से राहत दिला रही है, बल्कि स्वच्छ और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभा रही है।इसी क्रम में रामगोपाल तिवारी वार्ड के आकाश चंदेल ने अपने घर पर 03 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया और अपने परिवार को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया।बढ़ते बिजली बिल, ऊर्जा की बढ़ती मांग और पर्यावरण संरक्षण की चिंता ने उन्हें वैकल्पिक ऊर्जा की ओर सोचने के लिए प्रेरित किया। आकाश चंदेल ने बताया कि सौर ऊर्जा एक ऐसी अक्षय शक्ति है जो न केवल किफायती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ पर्यावरण भी सुनिश्चित करती है। इसी सोच के साथ उन्होंने अपने घर की छत को ऊर्जा उत्पादन का माध्यम बनाने का निर्णय लिया।उनके घर की घर की छत पर स्थापित 03 किलोवाट सोलर रूफटॉप सिस्टम आज उनके घर की दैनिक बिजली आवश्यकताओं को प्रभावी रूप से पूरा कर रहा है। इस प्रणाली से प्रतिमाह पर्याप्त बिजली उत्पादन हो रहा है, जिससे उनका बिजली बिल उल्लेखनीय रूप से कम हुआ है। अतिरिक्त ऊर्जा ग्रिड में प्रवाहित होने से उन्हें आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो रहा है। इस सोलर प्लांट की स्थापना से वे परोक्ष रूप से कार्बन उत्सर्जन को कम करने में भी योगदान दे रहे हैं। गौरतलब है कि सोलर रूफटॉप लगवाने के लिए केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा अनुदान भी प्रदान किया जा रहा है। आमजनों को योजना के लिए प्रोत्साहित करने शासन के निदेर्शानुसार बैंकों द्वारा कम ब्याज दर पर आसान किश्तों में ऋण की सुविधा प्रदान की जा रही है। योजना के तहत उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने पर केन्द्र और राज्य शासन द्वारा 30 हजार रूपए से 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। 01 किलोवाट का रूफटॉप लगवाने पर 45 हजार रूपए, 02 किलोवाट में 90 हजार रूपए और 03 किलोवाट का रूफटॉप लगवाने पर 01 लाख 08 हजार रूपए की सब्सिडी प्रदान की जाती है

एमसीबी जिले में 23 जनवरी को ग्रामसभा,15 प्रमुख विषयों पर होगी चर्चा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

एमसीबी।छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम, 1993 की धारा 6 के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम में प्रत्येक तीन माह में कम से कम एक बार ग्रामसभा आयोजित करना अनिवार्य है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के पत्र 24 मार्च 2008 के निदेर्शानुसार 23 जनवरी, 14 अप्रैल, 20 अगस्त एवं 02 अक्टूबर को ग्रामसभा की निर्धारित तिथियों के साथ-साथ प्रतिवर्ष जून एवं नवंबर माह में भी सुविधाजनक तिथियों में ग्रामसभा का आयोजन किया जाना है। इन निदेर्शों के पालन में 23 जनवरी 2026 को जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में ग्रामसभा का आयोजन किया जाएगा। ग्राम पंचायत मुख्यालयों एवं उनके आश्रित ग्रामों में ग्रामसभा आयोजन हेतु पूर्व से समय-सारिणी तैयार करने तथा स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विशेष दायित्व सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।23 जनवरी को आयोजित ग्रामसभा में शासन द्वारा निर्धारित 15 प्रमुख विषयों पर विशेष चर्चा की जाएगी, जिससे ग्राम स्तर पर पारदर्शिता, जवाबदेही एवं जनभागीदारी को सुदृढ़ किया जा सके। ग्रामसभा में पूर्व बैठक में पारित संकल्पों के क्रियान्वयन की स्थिति का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही पंचायतों की विगत तिमाही के आय-व्यय की समीक्षा एवं अनुमोदन किया जाएगा तथा पिछले वर्ष विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों के नाम, प्राप्त एवं व्यय राशि तथा कार्यों की अद्यतन स्थिति का सार्वजनिक वाचन किया जाएगा।पंचायतों में कर अधिरोपण एवं कर संग्रहण की प्रक्रिया को ऑनलाइन करने हेतु समर्थ पंचायत पोर्टल के उपयोग तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए संपत्ति कर दर निर्धारण पर भी चर्चा होगी। ग्राम सभा में आवारा एवं पालतू मवेशियों के कारण सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, मवेशियों को खुला न छोड़ने हेतु जनजागरूकता, पंचायत अधिनियम के अंतर्गत जुमार्ना एवं शास्ति अधिरोपण, आवारा पशु प्रबंधन, अविवादित नामांतरण एवं बंटवारे, पंचायत उन्नति सूचकांक (चरण 1-0) में सुधार, मुक्तिधाम की साफ-सफाई एवं मूलभूत सुविधाएं, शौचालय विहीन परिवारों की पहचान, स्वच्छता शुल्क संग्रहण, सामुदायिक शौचालयों के रखरखाव एवं ओडीएफ प्लस ग्राम प्रस्तावों पर भी विचार किया जाएगा। इसके अतिरिक्त विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण (वीबी-जी राम जी) अधिनियम 2025, मौसमी बीमारियों की रोकथाम, खाद्यान्न वितरण, विवाह पंजीयन, जन्म-मृत्यु पंजीयन सहित अन्य विषयों की जानकारी ग्राम सभा में साझा की जाएगी।

बारनवापारा परियोजना मण्डल में अखिल भारतीय बाघ अनुमान लगाने के लिए दिया गया प्रशिक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।बारनवापारा परियोजना मण्डल के अधिकारियों और कर्मचारियों को बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य में अखिल भारतीय बाघ अनुमान (ऑल इंडिया टाइगर एस्टीमेशन) के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण भारत सरकार के राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण द्वारा संचालित बाघ अनुमान अभियान (2026 चक्र) का हिस्सा है। 14 जनवरी को बारनवापारा अभ्यारण में बाघ अनुमान (ऑल इंडिया टाइगर एस्टीमेशन) के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया उल्लेखनीय है कि नवीनतम वर्ष 2022 के आंकड़ों के अनुसार, देश में बाघों की संख्या 3,682 दर्ज की गई है, जो विश्व की कुल बाघ आबादी का लगभग 70 से 75 प्रतिशत है।वर्ष 2026 के छठे चक्र में देशभर के 58 टाइगर रिजर्व सहित विभिन्न वन क्षेत्रों में बाघों, उनके शिकार प्राणियों और आवास की स्थिति का वैज्ञानिक अध्ययन किया जा रहा है।छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद फील्ड स्टाफ ने क्षेत्र में बाघ अनुमान कार्य तुरंत प्रारंभ कर दिया है प्रशिक्षण में शामिल मुख्य विषय बाघों की पहचान एवं पगमार्क (पंजों के निशान), मल, खरोंच एवं अन्य संकेतों का विश्लेषण, कैमरा ट्रैप तकनीक, फील्ड डाटा संग्रहण एवं आधुनिक निगरानी विधियाँ प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण कर बाघों की वास्तविक संख्या एवं उपस्थिति का आकलन करना है।

किसान परिवार के बेटे संजू मरकाम ने बीएसएफ में चयनित होकर बढ़ाया जिले का मान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।कोण्डागांव जिले के ग्राम खड़का निवासी संजू मरकाम ने वर्ष 2024-25 में एसएससी जीडी परीक्षा के माध्यम से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में चयनित होकर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया है। संजू की यह सफलता कठिन परिश्रम, मजबूत इच्छाशक्ति और जिला प्रशासन द्वारा संचालित निःशुल्क लक्ष्य कोचिंग संस्थान के मार्गदर्शन का परिणाम है।संजू मरकाम किसान परिवार से आते हैं। उनके माता-पिता पढ़े-लिखे नहीं हैं, लेकिन उन्होंने अपने बेटे की शिक्षा में कभी कमी नहीं आने दी। संजू ने अर्थशास्त्र (इकोनॉमिक्स) में मास्टर डिग्री तक पढ़ाई की है। बचपन से ही वे खेती-किसानी में अपने पिता का हाथ बंटाते रहे, साथ ही मन में देशसेवा का सपना संजोए रहे।संजू बताते हैं कि उन्हें बचपन से ही वर्दी से विशेष लगाव रहा है। जब भी किसी वदीधारी को देखते थे, तो उनके जैसा बनने का सपना देखते थे। संजू अपनी सफलता का श्रेय जिला प्रशासन द्वारा संचालित निःशुल्क लक्ष्य कोचिंग संस्था, अपने माता-पिता, भाई-बहनों और परिवार के सहयोग को देते हैं। वे लक्ष्य कोचिंग संस्थान के पहले बैच के छात्र रहे हैं।

राज्य सरकार की किसान हितैषी योजनाओं से किसानों को मिल रहा लाभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।राज्य सरकार की किसान हितैषी योजनाओं से किसान समृद्धि की राह पर अग्रसर हो रहे हैं धान खरीदी की समुचित व्यवस्था एवं किसान हितैषी विभिन्न योजनाओं से किसानों के जीवन में सकरात्मक बदलाव आ रहे हैं। धान खरीदी की सुव्यवस्थित प्रक्रिया न केवल किसानों की मेहनत को सम्मान दिला रही है बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत कर रही है।जिसके लिए वे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के आभारी हैं। राज्य सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर की जा रही धान खरीदी से किसान सशक्त हो रहे है। बेलगहना धान उपार्जन केन्द्र में आए किसानों ने बताया कि केन्द्र में सभी सुविधाएं उपलब्ध है और वे आसानी से बिना किसी परेशानी के धान बेच रहे हैं। धान खरीदी के लिए धान उपार्जन केन्द्रों में प्रशासन द्वारा किसानों की सुविधा के लिए सभी इंतजाम किए गए हैं। इसके साथ ही धान के उठाव की व्यवस्था भी केन्द्रों में की गई है। बेलगहना धान उपार्जन केन्द्र में धान बेचने आए किसान श्री लक्ष्मण सिंह ने बताया कि वे 29 क्विंटल 20 किलो धान लेकर केंद्र आए है। केंद्र में तौल प्रक्रियाओं सहित अन्य व्यवस्थाएं भी सुचारू रूप से चल रही है।किसानों को राशि का भुगतान भी त्वरित रूप से किया जा था है। सरकार ने किसानों के हित में कई कदम उठाए हैं जिसका लाभ उन्हें मिल रहा है।उन्होंने बताया कि सरकार के किसानों के हित में लिए गए कई निर्णयों से किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है।

श्री गायत्री विद्या मंदिर इंटर कालेज की 24 जनवरी से 30 तक होगी प्रयोगात्मक परीक्षाएं

संवाददाता

भरुआ, सुमेरपुर। कस्बे के श्री गायत्री विद्या मंदिर इंटर कालेज में इंटरमीडिएट रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान, भूगोल, शारीरिक योग शिक्षा की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 24 जनवरी से 30 जनवरी तक होगी।कालेज के प्रधानाचार्य उपेंद्र कुमार श्रीवास ने बताया कि 24 जनवरी को रसायन विज्ञान, 27 जनवरी को जीव विज्ञान, 28 जनवरी को भौतिक विज्ञान एवं भूगोल तथा 30 जनवरी को शारीरिक योग शिक्षा की प्रयोगात्मक परीक्षा कालेज में संपन्न कराई जाएगी।

जाम से परेशान रहे कस्बावासी

संवाददाता

भरुआ, सुमेरपुर। मुख्यालय में लगा भीषण जाम का असर कस्बे में भी पड़ा। जाम के चलते लोग जरूरी कार्य से समय पर मुख्यालय नहीं पहुंच सके। वहीं जाम में अखबार की गाड़ियां फंसी रहने से समय पर अखबार नहीं आ सका इससे लोग कस्बे में परेशान रहे। मुख्यालय में लगे जाम का असर कस्बे की गतिविधियों में भी पड़ा। सुबह कस्बे से मुख्यालय जाने वाली स्कूली बसें नहीं पहुंच सकी इससे छात्र छात्राएं परेशान रहे। वही लोग जरूरी कार्य से मुख्यालय समय पर नहीं पहुंच पाए। जाम में अखबार की गाड़ियां फस जाने से कस्बे में सुबह समय पर अखबार नहीं बट सका इससे लोग परेशान रहे।

कृषक-श्रमिक चौपाल का सफल आयोजन किया गया

संवाददाता

भरुआ, सुमेरपुर। ग्राम पंचायत इंगोहटा के रामलीला मैदान में विकसित भारतझजी राम जी जनजागरण अभियान के अंतर्गत कृषक-श्रमिक चौपाल आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद ने को संबोधित करते हुए किसानों व श्रमिकों के हित में चल रही सरकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त करने का आह्वान किया इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष शकुन्तला निषाद, सुधेश द्विवेदी, संतराम गुप्ता, चक्रवर्ती शुक्ला,शिवेन्द्र सिंह, अमित गुप्ता, अमित सिंह,योगेन्द्र दीक्षित सहित पदाधिकारी एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

विश्व पुस्तक मेले में सोनभद्र की कवयित्री डॉ रचना तिवारी की पुस्तक लोकार्पित

-उनके गीतों ने लेखक मंच पर समां बांधा।

संवाददाता

सोनभद्र। जानी मानी कवयित्री लेखिका और सामाजिक चिंतक डॉक्टर रचना तिवारी के नए कविता संग्रह सपनों की उम्र नहीं होती का 16 जनवरी 2026 को दिल्ली में चल रहे विश्व पुस्तक मिले के लेखक मंच पर लोकार्पण संपन्न हुआ। पुस्तक का लोकार्पण हिंदी के गणमान्य लेखकों, संस्कृति कर्मियों के द्वारा किया गया। ज्ञातव्य है कि डॉ रचना तिवारी हिंदी साहित्य की दुनिया में पिछले तीन दशकों से सक्रिय हैं और झील में उतरी नावै, कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होतै, मेरे गीत तुम्हीं से जन्मै सहित कई कविता संग्रह, गजल संग्रह, मुक्तक संग्रह अब तक प्रकाशित हो चुके हैं। हिंदी कविता के सौंदर्य बोध के विभिन्न पहलुओं और विमर्शों पर शोध कार्य करने वाली डॉक्टर रचना तिवारी ने इस बीच एक आलोचक की ख्याति भी पाई है और काव्य मंचों की भी लोकप्रिय हस्ताक्षर हैं। देश के अनेक राष्ट्रीय मंचों पर उन्होंने अपनी कविता पाठ से अदब की दुनिया में एक रचनात्मक हलचल पैदा की है। हिंदी के जाने माने आलोचक डॉक्टर ओम निश्चल ने कहा कि रचना तिवारी के गीतों की पृष्ठभूमि में सामाजिक समस्याएं और जीवन जगत की विडंबनाएं बेबाक ढंग से उजागर हुई हैं और उन्हें किसी भी रचना को छंद में पिरोने में महारत हासिल है। वे कविताओं से श्रोताओं को गहरे कनेक्ट कर लेती हैं । डॉक्टर रचना तिवारी को अब तक विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मान साहित्य रचना के लिए हासिल हो चुके हैं। लेखक मंच पर हुए लोकार्पण समारोह और शांति समरसता और सद्भावना को समर्पित कवि सम्मेलन में उन्होंने अपने गीतों से समा बांधा और श्रोताओं को अपनी ओज और उदात्तपूर्ण वाणी से विमुग्ध कर दिया।

उत्तर प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री को रचना तिवारी ने पुस्तक भेंट की

सोनभद्र। नई दिल्ली में चल रहे विश्व पुस्तक मेले के दौरान उत्तर प्रदेश के मंत्री अनिल राजभर ने मेले के दौरा किया।उन्हें सर्वभाषा ट्रस्ट के स्टॉल पर पधारे उत्तर प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर को सोनभद्र की सुपरिचित लेखिका डॉ रचना तिवारी ने अपनी सद्यःप्रकाशित पुस्तक सपनों की उम्र नहीं होती की प्रति भेंट की। उन्होंने रचना तिवारी की कविताओं की सराहना की तथा इन्हें मानवता के हित में उनका सर्जनात्मक अवदान बताया।

धूमधाम से मना लाल बहादुर शास्त्री पब्लिक स्कूल का वार्षिक उत्सव

संवाददाता

बीजपुर (सोनभद्र) पिंडारी स्थित लाल बहादुर शास्त्री पब्लिक स्कूल में रविवार को विद्यालय का तृतीय वार्षिकोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्हे बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों का दिल जीत लिया और पूरे वातावरण को उल्लासमय बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री मानसिंह गोंड जी (ब्लॉक प्रमुख, म्योरपुर) एवं विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी श्री अमरेश तिवारी (जरहाँ) द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन कर किया गया। वार्षिक उत्सव में विभिन्न राज्यों के लोकनृत्य, कव्वाली, सोशल मीडिया पर आधारित नाटक, नशा मुक्ति एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ मुख्य आकर्षण रहीं। ग्रामीण परिवेश के नन्हे-मुन्हे बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए कार्यक्रम अत्यंत ही सराहनीय एवं भावपूर्ण रहे, जिन्हें दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ सराहा। विद्यालय के प्रबंधक श्रवण गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि यह विद्यालय का तृतीय वार्षिकोत्सव है उन्होंने कहा की बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय परिवार निरंतर प्रयासरत है । अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख मानसिंह गोंड ने विद्यालय परिवार को बधाई देते हुए कहा कि ग्रामीण एवं दुरूह क्षेत्र में शिक्षा की अलख जगाना सराहनीय कार्य है, जिसे विद्यालय के प्रबंधक द्वारा पूरी निष्ठा से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि माता-पिता के बाद गुरु ही बच्चों के सच्चे संरक्षक होते हैं और इस विद्यालय के शिक्षक अपने दायित्वों का बखूबी निर्वहन कर रहे हैं।इस अवसर पर उन्होंने मेधावी छात्रों को पुरस्कृत करने की घोषणा भी की। विशिष्ट अतिथि अमरेश तिवारी ने कहा कि ग्रामीण बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं होती, आवश्यकता केवल उन्हें निखारने की होती है, जिसे यह विद्यालय सफलतापूर्वक कर रहा है। उन्होंने समस्त कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को उच्च शिक्षा हेतु सहयोग देने की घोषणा भी किया। इस अवसर पर श्याम नारायण पांडे (प्रधानाचार्य, हॉली लाइट पब्लिक स्कूल बभनी), सचिन कुमार सिंह (प्रधानाचार्य, प्रभावती सिंह इंटर कॉलेज, जरहाँ), रविंद्र कुमार (प्रवक्ता, शिवम संकल्प इंटर कॉलेज बखरिहवाँ), ईश्वरी प्रसाद, संगीत कुमार गुप्ता, कृष्ण गुप्ता, राम सजीवन (ग्राम प्रधान पिंडारी), अवधेश जायसवाल, सैफ अली, गणेश विश्वकर्मा सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं सैकड़ों की संख्या में अभिभावक व दर्शक उपस्थित रहे।

आर्थो विभाग की रिपोर्ट के बाद हैलेट से मिलेगी मुख्य आरोपी को छुट्टी

संवाददाता

भरुआ, सुमेरपुर। लव जिहाद गैंगरेप एवं धर्मांतरण के मुख्य आरोपी की पुलिस मुठभेड़ के दौरान टांग की हड्डी में गोली लगने के बाद हैलेट में पुलिस अभिरक्षा में चल रहे इलाज में अब आर्थो विभाग की रिपोर्ट का मामला अटक गया है। आर्थो विभाग की रिपोर्ट के बाद ही मुख्य आरोपी को हैलेट से छुट्टी मिलने की उम्मीद है पुलिस मंगलवार को लवजिहाद, गैंगरेप एवं धर्मांतरण के दबाव में मुख्य आरोपी अबान उर्फ अफान खान को हैलेट से डिस्चार्ज कराकर अदालत में लाने की कोशिश में थी लेकिन हैलेट प्रशासन ने आर्थो विभाग की रिपोर्ट आने के बाद ही मुख्य आरोपी को डिस्चार्ज करने की बात कही है। इससे मुख्य आरोपी को अस्पताल से लाकर जेल भेजे जाने की कोशिश एक बार फिर असफल हो गई है। गत 15 जनवरी को देर रात हुई मुठभेड़ के बाद से मुख्य आरोपी का उपचार कानपुर के हैलेट में चल रहा है।

पीड़ित की तहरीर पर पति के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी

संवाददाता

मौदहा, हमीरपुर। कोतवाली क्षेत्र के सिजनौडा गांव निवासी विनोद कुमार पुत्र रामफल कश्यप ने शराब के नशे में धुत पहले पत्नी और अपने बुजुर्ग पिता से झगड़ा किया और फिर गुस्से में अपनी 7 साल की मासूम बेटी वर्षा की बेरहमी से गोदी से जमीन पर पटक दिया। जहां बच्ची की बेहोश हो गई, जिसे प्राथमिक इलाज के लिए कस्बे के सरकारी अस्पताल ले गए जहां प्राथमिक इलाज के बाद बाँदा हायर सेंटर रेफर किया गया है। सूचना मिलते ही यूपी-112 पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी पिता को हिरासत में लेकर कोतवाली ले गई। पत्नी सरिता देवी ने बताया कि मेरा पति शराब पीकर घर मे आए दिन झगड़ा व मारपीट करता रहता है मौदहा कोतवाली प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी फिलहाल हिरासत में है और पीड़ित परिवार की तहरीर मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विधायक के सहयोग से 5000 यात्री मौनी अमावस्या स्नान के लिए प्रयागराज रवाना

संवाददाता

बस्ती/हरैया विधायक अजय सिंह ने मौनी अमावस्या पर गंगा स्नान के लिए क्षेत्र वासियों को निशुल्क निजी बस सुविधा मुहैया कराकर बड़ी सौगात दी है। शनिवार को 100 बसों में 5000 यात्री प्रयागराज के लिए रवाना हुए। यात्रा को गोरखपुर भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानन्द राय, अयोध्या के महापौर गिरीश पति त्रिपाठी और अन्य ने झंडी दिखाकर रवाना किया। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने विधायक के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि क्षेत्र के जो अक्षम लोग हैं उनके लिए इस तरह के कार्य करना निश्चित तौर पर सराहनीय है। उन्होंने कहा कि संगम स्नान हिंदू धर्म की सबसे पवित्र परंपराओं में से एक है और इससे श्रद्धालुओं को आस्था और आत्मशुद्धि का अद्भुत अवसर प्राप्त होता है। महापौर ने कहा कि मौनी अमावस्या पर तीर्थराज प्रयाग के संगम पर स्नान का विशेष महत्व है। यहां पर स्नान और दान करने से पूर्वज प्रसन्न होते हैं साथ ही आने वाली पीढ़ियों को भी इसका विशेष फल मिलता है। कहा कि इससे मोक्ष व सुख-समृद्धि मिलती है। उन्होंने विधायक की सराहना करते हुए कहा कि विधायक द्वारा क्षेत्रवासियों को दी जा रही यह सुविधा प्रशंसनीय है। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने श्रद्धालुओं के सुखद और मंगल यात्रा की कामना करते हुए शुभकामना दिया। विधायक अजय सिंह ने कहा कि यात्रियों के लिए रहने खाने इत्यादि की भी व्यवस्था निःशुल्क कराई गई है। बताया कि यह बसें तीर्थयात्रियों को लेकर प्रयागराज जाएंगी, जहां उन्हें दर्शन स्नान कराने के बाद वापस अयोध्या दर्शन कराते हुए उनके गंतव्य तक पहुंचाएंगी। कहा कि मौनी अमावस्या का संगम स्नान केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति परंपरा का केंद्र है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ जय श्रीराम के नारे लगाए। विधायक ने यात्रा के लिए आवश्यक वस्तुओं का वितरण भी श्रद्धालुओं में किया। इस अवसर पर सुशील सिंह, यशवंत सिंह, पवन कसौधन, प्रेमसागर तिवारी, रवि सोनकर, प्रत्यूष विक्रम सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, श्रीश पाण्डेय, दुष्यन्त विक्रम सिंह, रघुनाथ सिंह, अखिलेश सिंह, अंकुर वर्मा, भोला निषाद, दिवाकर मिश्र, सरोज बाबा, अजय तिवारी, अमरनाथ सिंह, धर्मध्वज सिंह सभासद, प्रेम शंकर ओझा, विवेक कान्त पाण्डेय सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

हरदोई में जुए के विवाद में हुई थी युवक की हत्या,दो आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

हरदोई।जिले के शाहाबाद इलाके में युवक के ब्लाइंड मर्डर का पाली पुलिस ने खुलासा कर दिया है और इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे है।जुएं के विवाद में यह हत्या की गई थी और शव को गन्ने के खेत मे छिपा दिया गया था।मृतक के भाई ने अज्ञात के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था।मामले का खुलासा करते हुए सीओ शाहाबाद आलोक राज नारायण ने बताया कि 23 अक्टूबर 2025 को राजपाल मौर्य निवासी ग्राम उधरनपुर थाना शाहाबाद द्वारा थाना शाहाबाद पर मुकदमा दर्ज कराया था कि उसका भाई गौतम उर्फ गबडू घर से खाना खाने के बाद कहीं चला गया था। जिस का शव 2 नवम्बर 2025 को ग्राम बेहटा कोला गांव के बाहर गन्ने के खेत में मिला था।एसपी अशोक कुमार मीणा के द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया था और मृतक के परिजनों से वार्ता कर न्यायोचित कार्यवाही का आश्वासन दिया गया था एवं संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए थे।इसी कड़ी में थाना पाली पुलिस द्वारा प्रकाश में आये दीपक कटियार व अनुज पाल ग्राम उधरनपुर थाना शाहाबाद को गिरफ्तार किया गया है।इनसे पूछताछ के दौरान पता चला कि गौतम उर्फ गबडू गांव के ही दीपक कटियार, अनुज पाल व अनीश पाल के साथ बेहटा कोला गांव में जुआ खेलने जा रहे थे। रास्ते में जुआ खेलने के पैसे के लेन-देन को लेकर विवाद हो गया। विवाद में ही मृतक गौतम उर्फ गबडू के गिरने से सिर में चोट लग गई। चोट लगने के कारण गौतम उर्फ गबडू ने 112 पर काल लगाना चाहा तो दीपक कटियार अनुज पाल व अनीश पाल ने पकडे जाने के डर के कारण गौतम उर्फ गबडू की हत्या कर दी और शव को गन्ने के खेत में छिपा दिया था।सीओ ने बताया कि अन्य की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे है।

सम्पादकीय

सुप्रीम कोर्ट का आदेश : ईसी की विश्वसनीयता ही बढ़ेगी

लोकतंत्र की नींव निष्पक्ष, पारदर्शी और भरोसेमंद चुनाव प्रक्रिया पर टिकी होती है। मतदाता सूची इस प्रक्रिया की आत्मा है, क्योंकि यही तय करती है कि कौन नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकता है। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान सामने आई गड़बड़ियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट का हालिया आदेश इसी लोकतांत्रिक मूल भावना की रक्षा की दिशा में एक अहम कदम है। अदालत ने न केवल चुनाव आयोग को पारदर्शिता का पाठ पढ़ाया है, बल्कि आम नागरिकों के अधिकारों को भी केंद्र में रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल में एसआईआर के दौरान संदिग्ध या गड़बड़ी वाले लगभग 1.25 करोड़ नामों को सार्वजनिक करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न केवल प्रक्रिया को खुला और जवाबदेह बनाता है, बल्कि उन नागरिकों को भी जानकारी देता है, जिनके नाम किसी कारणवश मतदाता सूची से हटे या संदिग्ध पाए गए। लोकतंत्र में सूचना का अधिकार केवल एक कानूनी अवधारणा नहीं, बल्कि जनता के भरोसे का आधार है। जब आंकड़े और सूचनाएं सार्वजनिक होंगी, तो आशंकाओं और अफवाहों को स्वतः विराम लग जाएगा। यह फैसला इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि लंबे समय से यह आशंका जताई जा रही थी कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण के नाम पर बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। आंकड़ों को सार्वजनिक करने का आदेश इस संदेह को दूर करने और प्रक्रिया को जवाबदेह बनाने की दिशा में निर्णायक कदम है। अदालत ने साफ कहा कि जांच पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए, ताकि आम लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो। यह टिप्पणी केवल प्रशासनिक प्रक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि यह चुनाव आयोग के रवैये पर भी एक महत्वपूर्ण टिप्पणी है। अक्सर देखा गया है कि दस्तावेजों की कमी, तकनीकी त्रुटियों या प्रशासनिक सख्ती के कारण गरीब, प्रवासी मजदूर, बुजुर्ग और युवा मतदाता सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश सुनिश्चित करता है कि जांच का उद्देश्य सुधार हो, न कि नागरिकों को अनावश्यक रूप से परेशान करना। फैसले का एक और अहम पहलू यह है कि बंगाल के 1.25 करोड़ वोटर्स को अपना नाम दोबारा मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए एक और मौका दिया गया है। जिन लोगों के नाम कट गए थे, उनके लिए यह आदेश एक नई उम्मीद लेकर आया है और यह संदेश भी देता है कि कोई भी प्रशासनिक प्रक्रिया नागरिक के मौलिक अधिकार से ऊपर नहीं हो सकती। दसवीं कक्षा के एडमिट कार्ड को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए मान्य दस्तावेज मानने का निर्देश लाखों लोगों को राहत देगा। देश में बड़ी आबादी ऐसी है जिसके पास जन्म प्रमाण पत्र या अन्य पारंपरिक पहचान दस्तावेज नहीं हैं, लेकिन शैक्षणिक रिकॉर्ड उपलब्ध हैं। इस फैसले से खासतौर पर युवाओं और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को लाभ मिलेगा। यह पहली बार नहीं है जब सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को आंकड़े सार्वजनिक करने के निर्देश दिए हों। इससे पहले भी अदालत पारदर्शिता पर जोर देती रही है। बिहार चुनाव के दौरान एसआईआर के बाद मतदाता सूची को सार्वजनिक किया गया था, जिससे न केवल विवाद कम हुए बल्कि जनता का भरोसा भी बढ़ा। वही, अनुभव बंगाल में भी दोहराया जा सकता है। कुल मिलाकर, यह फैसला चुनाव आयोग के कामकाज में पारदर्शिता लाने और उसकी विश्वसनीयता बढ़ाने वाला है।

आर्थिक चुनौतियां
रोहित माहेश्वरी

जाली करंसी से अर्थव्यवस्था को चोट

नकदी रहित अर्थव्यवस्था का सरकारी महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करने के मार्ग में अभी तमाम बाधाएं विद्यमान हैं। केंद्रीय बैंक आरबीआई के गवर्नर ने एक संसदीय समिति को जानकारी दी है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कुल छह करोड़ से ज्यादा नोटों में से पांच सौ रुपये के 1.18 लाख नोट नकली पाए गए हैं। केंद्रीय बैंक की वार्षिक रिपोर्ट बताती है कि इन नोटों की संख्या में एक साल में 37 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई है। जो यह दर्शाता है कि कालाबाजारी करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व देश में मुद्रा की मांग का गलत फायदा उठा रहे हैं। नकली नोटों का बढ़ता जाल संकेत देता है कि असामाजिक तत्व नए-नए तरीके अपनाकर इस चुनौती को और जटिल बना रहे हैं।

देश में जाली नोटों का कारोबार कई राज्यों में फैला हुआ है, इसमें से कुछ जाली करंसी विदेशों से आई है तो कुछ भारत में ही तैयार की गई है। अभी तक पांच सौ, हजार और सौ-सौ के नकली नोट ही सिरदर्द बने थे। परंतु अब पचास, बीस और दस रुपये के नकली नोटों का धड़ल्ले से चलन में हैं। छोटे-बड़े नकली नोटों की खपत ग्रामीण बाजारों में आसानी से हो जाती है। उत्तर प्रदेश के सीतापुर में बीती 18 जनवरी को थाना बिसवां पुलिस ने गुलजारशाह मेले के करीब एक लाख के नकली नोटों के साथ एक महिला सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। बीती 1 जनवरी को हरियाणा के फरीदाबाद में पुलिस ने नकली नोट बनाकर मार्केट में चलाने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया था। बीती 17 जनवरी को महाराष्ट्र के यवतमाल जिले की पुसद पुलिस ने एक बड़े जाली नोट नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। गत 5 जनवरी को उत्तर प्रदेश के बांदा में पुलिस ने नकली भारतीय मुद्रा तैयार कर उसे बाजार में खपाने वाले एक संगठित अन्तर्जनपदीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया था। बीती 13 जनवरी को गुजरात के सूरत में नकली नोटों के रैकेट को लेकर पुलिस ने भीड़-भाड़ वाले इलाकों में छोटे दुकानदारों को निशाना बनाकर नकली नोट चलाने वाले एक हीरा कारीगर को गिरफ्तार किया है।

बीते साल नवंबर में भोपाल पुलिस ने 21 साल के एक युवक को वीडियो देखकर अपने घर को नकली नोटों की फैक्ट्री बनाने के आरोप में पकड़ा था। आरोपी प्रिंटर, स्पेशल पेपर और प्रेस के अनुभव का इस्तेमाल कर असली जैसे 500-500 रुपये के नोट तैयार करता था। इसमें कोई दो राय नहीं है कि हमारा देश डिजिटल लेनदेन के मामले में अग्रणी बना हुआ है और यहां दुनिया भर में होने वाले लगभग आधे रियल टाइम लेन-देन डिजिटल भुगतान के जरिये ही होते हैं। हालांकि, नकदी रहित अर्थव्यवस्था का सरकारी महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करने के मार्ग में अभी तमाम बाधाएं विद्यमान हैं। लेकिन चिंता की बात यह है कि अभी भी अर्थव्यवस्था में नकली करंसी की मौजूदगी बनी हुई है। देश में नकली नोटों का नेक्सस लगातार फैल रहा है, जो देश की बैंकिंग सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है। नकली नोटों का यह नेटवर्क सीधे तौर पर भारत के बैंकों को निशाना बना रहा है। हाल ही में दिल्ली पुलिस ने कई बैंकों की शिकायत पर एक केस दर्ज किया है, जो काफी चौंकाने वाला है। इस मामले में 18 सरकारी और प्राइवेट बैंक शामिल हैं। बैंकों का कहना है कि उनके यहां करीब 11 हजार नकली करंसी नोट जमा किए गए हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 34 लाख रुपये है। यह अपने आप में एक गंभीर और हैरान करने वाली बात है कि देश के बैंकों में इतने नकली नोट कैसे जमा हो पा रहे हैं। सरकारी आंकड़े बता रहे हैं कि बीते सालों के दौरान नकली नोट पकड़े जाने के मामलों में तेजी आई है। इससे पता चलता है कि नकली नोटों का चलन तेज हुआ है। पिछले कुछ सालों में नकली नोटों की समस्या ने देश की अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चिंता खड़ी कर दी है। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 500 रुपये के नकली नोटों में वित्त वर्ष 2019 से 2023 के बीच 317 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। जहां 2019 में यह संख्या 21,865 मिलियन पीस (एमपीसी) थी, वहीं 2023 में यह बढ़कर 91,110 एमपीसी तक पहुंच गई। हालांकि वित्त वर्ष 2024 में यह संख्या घटकर 85,711

एमपीसी पर आ गई। केंद्रीय बैंक आरबीआई के गवर्नर ने एक संसदीय समिति को जानकारी दी है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कुल छह करोड़ से ज्यादा नोटों में से पांच सौ रुपये के 1.18 लाख नोट नकली पाए गए हैं। केंद्रीय बैंक की वार्षिक रिपोर्ट बताती है कि इन नोटों की संख्या में एक साल में 37 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई है। जो यह दर्शाता है कि कालाबाजारी करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व देश में मुद्रा की मांग का गलत फायदा उठा रहे हैं। वर्ष 2016 में नोटबंदी के फैसले का उद्देश्य नकली नोटों और भ्रष्टाचार को रोकना था। लेकिन मौजूदा आंकड़े इस कदम की प्रभावशीलता पर सवाल उठाते हैं।

नकली नोटों का बढ़ता जाल संकेत देता है कि असामाजिक तत्व नए-नए तरीके अपनाकर इस चुनौती को और जटिल बना रहे हैं। विडंबना यह है कि राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा नोट में इस्तेमाल होने वाले आयातित कागज और नकली नोट छापने में शामिल ऑपरेटरों पर लगातार कार्रवाई के बावजूद यह गंभीर समस्या बनी हुई है। वास्तव में, हाल के वर्षों में, भारत ने नकली नोटों की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने व काले धन पर रोक के लिए डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिये अपनी स्थिति खासी मजबूत की है। सरकार की सोच है कि काले धन पर रोक लगाने के लिए नकद लेन-देन को हतोत्साहित किया जाए। नोटबंदी के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था कैशलेस सोसायटी की ओर अग्रसर है। डिजिटल ट्रांजेक्शन्स 300 प्रतिशत तक बढ़े हैं। कैशलेस लेन-देन लोगों के जीवन को आसान बनाने के साथ-साथ हर लेन-देन से काले धन को हटाते हुए क्लीन इकोनॉमी बनाने में भी मददगार साबित हुआ है। निस्संदेह, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई ने भारत के आर्थिक लेन-देन तंत्र में क्रांति ला दी है। भुगतान के तमाम विकल्पों ने भारतीय नागरिकों के आर्थिक व्यवहार को बहुत आसान बना दिया है। हालांकि, अभी भी ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो डिजिटल माध्यम से लेन-देन में परहेज करते हैं। असल में, नकदी पर उनकी निर्भरता का मूल कारण डिजिटल शिक्षा का अभाव ही है। साथ ही इसके कारणों में भ्रष्टाचार और कर चोरी की नीयत भी शामिल है। ऐसे में सरकार को डिजिटल खाई को पाटने की दिशा में रचनात्मक पहल करनी चाहिए। वहीं दूसरी आर्थिक अनियमितताएं करने वाले तत्वों से भी सख्ती से निबटा जाना चाहिए। यह भी चिंता की बात है कि नोटबंदी के नौ साल से ज्यादा का समय बीत जाने के बाद भी रियल एस्टेट क्षेत्र में काले धन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल बना हुआ है।

बेशक, डिजिटल युग में भी 'नकदी ही राजा है' मानने वालों को रोकने के लिए जांच और कानूनों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है। साथ ही इस दिशा में भी गंभीरता से विचार करना चाहिए कि भारतीय अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश में लगी विदेशी ताकतों की नकली करंसी के प्रसार में कितनी बड़ी भूमिका है। विगत में पाकिस्तान से ड्रग मनी व आतंकी संगठनों की मदद के लिए नकली करंसी के उपयोग की खबरें सामने आती रही हैं। नकली नोटों के चलन को रोकने में सबसे बड़ी बाधा जागरूकता का अभाव है। शहरों में तो थोड़ी बहुत जागरूकता दिखती है, पर ग्रामीण क्षेत्र में लोगों के कम पढ़े-लिखे होने का फायदा उठाकर नकली नोटों के सौदागर अपना लक्ष्य आसानी से पूरा कर लेते हैं। जाली नोट के साथ सबसे बड़ी दिक्कत ये होती है कि इसे पहचानना काफी मुश्किल होता है, क्योंकि जालसाज टेक्नोलॉजी की मदद से हूबहू असली नोटों से मिलते जुलते नकली नोट बना रहे हैं। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि नकली नोटों का बढ़ना न केवल अर्थव्यवस्था के लिए खतरा है, बल्कि यह आम जनता के विश्वास को भी कमजोर करता है। नकली नोटों की बढ़ती समस्या से निपटने के लिए तकनीकी सशक्तिकरण, कड़ी निगरानी, और जागरूकता अभियान जरूरी है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मुद्दा

सोनम लववंशी

उबलती चाय, जलते हाथ और ठहाके लगाता समाज!

देश ने चाय से आजादी पाई थी, अब चाय से दोस्ती साबित कर रहा है। सोशल मीडिया का ताजा आविष्कार उबलती चाय हाथों पर डालो और बताओ कि यार कितने पक्के हैं। शायद अगला चरण आग में कूदकर रिश्तेदारी नापने का होगा। कभी दोस्ती का मतलब होता था साथ बैठकर चाय पीना। आज मतलब है चाय सहना। फर्क बस इतना है कि पहले जलन दिल में होती थी, अब हथेलियों पर दिखाई देती है। और कैमरा ऑन हो तो दर्द भी देशभक्ति जैसा पवित्र हो जाता है। यह ट्रेंड बताता है कि हमारे समय में विवेक कोई आंतरिक गुण नहीं, बल्कि वैकल्पिक सुविधा है जिसे रील बनाते वक्त बंद किया जा सकता है। दोस्ती अब भावनात्मक रिश्ता नहीं, कंटेंट है। जितना ज्यादा जोखिम, उतना ज्यादा रिच। अगर अस्पताल में भर्ती हो जाओ, तो बोनस व्यूज। असली समस्या यह नहीं कि कुछ लोग अपने हाथ जला रहे हैं। असली समस्या यह है कि बाकी लोग कह रहे हैं कि 'भाई, गजब ट्रेंड है।' यही वह क्षण है जहां समाज ताली बजाते हुए अपनी समझ को चुपचाप दफन कर देता है। हम पहले ही ऐसे समाज में रहते हैं जहां हिंसा रोमांच है और जोखिम बहादुरी। सड़क पर स्टंट, रिश्तों में सहनशीलता और सोशल मीडिया पर मूर्खता सबको अलग-अलग नाम देकर वैध बना दिया गया है। अब जलना भी एक्सप्रेशन है। महिलाओं के लिए यह ट्रेंड कोई नई कहानी नहीं सुनाता, बस पुरानी सोच को नए फिल्टर में परोसता है। सहना आज भी 'अच्छी लड़की' की पहचान है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब यह परीक्षा ससुराल में नहीं, इंस्टाग्राम पर ली जा रही है। इंकार आज भी खराब लगता है, जलना अब भी स्वाभाविक। अगर दोस्ती सच में परीक्षा मांगती, तो कृष्ण-सुदामा की मित्रता आज के ट्रेंड में फेल हो जाती। न कोई स्टंट, न कोई वीडियो, न कोई सबूत। सिर्फ भरोसा। शायद इसी वजह से वह मित्रता इतिहास में बची रह गई और आज तो दोस्तियां 24 घंटे में ही गुम हो जाती हैं। सबसे डरावनी बात यह नहीं कि लोग उबलती चाय डाल रहे हैं। डरावना यह है कि समाज क्यों पूछ नहीं रहा। जब सवाल पूछना बोरिंग और तालियां बजाना आसान हो जाए, तब समझ लीजिए कि जलन केवल हाथों में नहीं, सोच में फैल चुकी है। दोस्ती का मतलब सुरक्षा होता है। लेकिन जब रिश्ते लोकप्रियता के लिए खतरे में डाले जाएं, तो उसे दोस्ती नहीं भीड़ के सामने किया गया असफल अभिनय कहते हैं। आज अगर हमने इसे 'मजाक' कहकर छोड़ दिया, तो कल कोई और उबलता प्रयोग तैयार खड़ा होगा। और तब भी हम कहेंगे 'ट्रेंड तो चल रहा था।' कुछ रिपोर्ट्स बताती हैं कि वायरल चैलेंज की वजह से 2020 के बाद खतरनाक चोटें दोगुनी हो गई हैं, और 'ब्लैकआउट चैलेंज' जैसी गतिविधियों में 20 से अधिक बच्चों की मौतें हुई हैं। हालिया घटना में, एक किशोरी के चेहरे और हाथों पर जलने के निशान रह गए, सिर्फ इसलिए कि उसने 'फायर चैलेंज' में भाग लिया। यही डेटा बताता है कि यह सिर्फ स्टंट नहीं है, यह सोशल मीडिया की मानसिकता है। दर्द और जोखिम को रोमांच और लोकप्रियता का लेबल दे दिया गया है। महिला दृष्टि से यह मामला और गहरा है। इतिहास में सहनशीलता और धैर्य को स्त्रियों की शक्ति माना गया। आज वही सहनशीलता शारीरिक परीक्षा और डिजिटल चैलेंज के रूप में सामने आ रही है। 'ना' कहना अब भी कठिन है, 'सहना' अब भी आदर्श। जब समाज ने इसे स्वीकार्य मान लिया, तो यह सिर्फ व्यक्तिगत मूर्खता नहीं, सामूहिक समस्या बन जाती है। सोशल मीडिया पर दिखावे की दोस्ती ने यह सिद्ध कर दिया है कि मित्रता अब भावनात्मक विश्वास की नहीं, बल्कि दिखावे और प्रदर्शन की वस्तु है। अगर मित्रता सच में परीक्षा मांगती, तो कृष्ण और सुदामा की मित्रता आज भी आदर्श के रूप में याद रखी जाती। वहां न कोई स्टंट था, न कोई कैमरा, था तो केवल भरोसा और सम्मान। आज का ट्रेंड उसी मूल भावना का मजाक है। दोस्ती का मतलब अब सुरक्षा और सम्मान नहीं, कंटेंट बनाना हो गया है। हाथ जलता है तो जले, कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि व्यूज मिल गए हैं। आंकड़े बताते हैं कि साल 2025 में इंटरनेट पर वायरल खतरनाक चैलेंज में 50 प्रतिशत से अधिक प्रभावितों में किशोरियां और युवा महिलाएं हैं। उसकी वजह केवल ट्रेंड की खोज नहीं, बल्कि यह भी है कि समाज में सहनशीलता को 'गुण' मानने की मानसिकता अब डिजिटल मंच पर भी हावी है। दोस्ती, जो कभी विश्वास और समय की कसौटी पर परखी जाती थी, अब फ्रेम, रील और व्यूज की कसौटी पर आ गई है। और समाज, जो कभी सवाल पूछता था, अब केवल देख रहा है। यह स्थिति न केवल हाथों को जला रही है, हमारे सामाजिक विवेक को भी धीरे-धीरे भस्म कर रही दोस्ती का अर्थ सुरक्षा, सम्मान और साथी की रक्षा है, न कि लोकप्रियता के लिए जोखिम में डालना। अगर आज हम चुप रह गए, तो कल कोई और ट्रेंड हाथों और विवेक दोनों को जला देगा। और तब भी हम कहेंगे 'सोशल मीडिया है, चलता है।'

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

'छिद्रान्वेषण', जो लोग दूसरों में ढूंढ़ते हैं दोष

लोग प्रायः दूसरों में दोष ढूंढ़ने में लगे रहते हैं। इसी को छिद्रान्वेषण कहते हैं। ऐसा करने वाले लोग अपने बड़े-बड़े दोषों को देखते हुए भी नहीं देख पाते। फिर भी दूसरों में दोष निकालने से बाज नहीं आते। यह प्रवृत्ति न केवल स्वयं के लिए, अपितु समाज के लिए भी घातक है। इसी कारण समाज में ईर्ष्या, द्वेष और वैमनस्य का परिवेश बनता है।

संकलित
दर्शन

इसका सर्वाधिक विपरीत प्रभाव उन लोगों के मनोबल पर पड़ता है, जो ईमानदारी से समाज और देश की सेवा कर जीवन यापन करना चाहते हैं। छिद्रान्वेषी प्रवृत्ति अमूमन उन्हीं लोगों में देखने को मिलती है जो स्वयं बुराइयों के भंडार होते हैं। इससे उनकी सकारात्मक ऊर्जा का निरंतर क्षरण होता है और स्वयं का विकास अवरुद्ध हो जाता है। इसीलिए चाणक्य ने कहा है, 'मनुष्य की यह प्रवृत्ति कभी अपने भीतर सद्गुणों का विकास नहीं होने देती।' परिणामस्वरूप मन, वाणी और कर्म तीनों कलुषित हो जाते हैं। महाभारत में दुर्योधन छिद्रान्वेषी दुष्प्रवृत्ति का सबसे बड़ा उदाहरण है। उसने कभी अपने दोष देखने का प्रयास नहीं किया। इसीलिए उसके मन, वाणी और कर्म सभी कलुषित हो गए। एक बार गुरु द्रोण ने दुर्योधन और युधिष्ठिर दोनों को राज्य में साधु पुरुषों की गणना के लिए भेजा तो दुर्योधन को कोई साधु पुरुष मिला ही नहीं। यह दुर्योधन की छिद्रान्वेषी दुष्प्रवृत्ति का परिणाम था। इसके विपरीत युधिष्ठिर को कोई दुर्जन व्यक्ति नहीं मिला। वास्तव में दूसरे के दोष देखने का अधिकार उसी को है, जिसमें वह बुराई न हो।

क्या भोग लगाना पाखंड है?

एक बार सन 1989 में मैंने सुबह टीवी खोला तो जगत गुरु शंकराचार्य कांची कामकोटि जी से प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम चल रहा था। एक व्यक्ति ने प्रश्न किया कि हम भगवान को भोग क्यों लगाते हैं। जगद्गुरु शंकराचार्य जी ने कहा यह समझने की बात है कि जब हम प्रभु को भोग लगाते हैं तो वह उसमें से क्या ग्रहण करते हैं। मान लीजिए कि आप लड्डू

संकलित
प्रेरणा

लेकर भगवान को भोग चढ़ाने मंदिर जा रहे हैं और रास्ते में आपका जानने वाला कोई मिलता है और पूछता है यह क्या है तब आप उसे बताते हैं कि यह लड्डू है। फिर वह पूछता है कि किसका है? तब आप कहते हैं कि यह मेरा है। फिर जब आप वही मिष्ठान्न प्रभु के श्री चरणों में रख कर उन्हें समर्पित कर देते हैं और उसे लेकर घर को चलते हैं तब फिर आपको जानने वाला कोई दूसरा मिलता है और वह पूछता है कि यह क्या है ? तब आप कहते हैं कि यह प्रसाद है फिर वह पूछता है कि किसका है तब आप कहते हैं कि यह हनुमान जी का है। अब समझने वाली बात यह है कि लड्डू वही है। उसके रंग रूप स्वाद परिमाण में कोई अंतर नहीं पड़ता है तो प्रभु ने उसमें से क्यों ग्रहण किया कि उसका नाम बदल गया। वास्तव में प्रभु ने मनुष्य के मम-कार को हर लिया। यह मेरा है का जो भाव था, अहंकार था प्रभु के चरणों में समर्पित करते ही उसका हरण हो गया। प्रभु को भोग लगाने से मनुष्य विनीत स्वभाव का बनता है शीलवान होता है। अहंकार रहित स्वच्छ और निर्मल चित्त मन का बनता है। इसलिए इसे पाखंड नहीं कहा जा सकता है।

अंतर्मन

आज की पाती

तन, मन व आत्मा को शुद्ध करता है मौन

18 जनवरी को मौनी अमावस्या मनाई गई। हमारी देवभाषा संस्कृत में मौनी का एक अर्थ मौन भी होता है। सनातन धर्म में बहुत से त्योहार, पर्व, वर्त और अन्य बहुत से ऐसे धार्मिक आयोजन होते हैं, जिनका धार्मिक महत्व तो बहुत होता है, इसी के साथ-साथ यह विज्ञान की दृष्टि में भी बहुत महत्वपूर्ण है। इनसे हमारा तन, मन और पर्यावरण भी शुद्ध होता है। मौनी अमावस्या पर साधु-संतों और अन्य लोगों ने विभिन्न तरीकों से पूजा अर्चना की। इनमें से बहुतों ने इस दिन मौन व्रत भी रखा। विद्वान कहते हैं कि मौन व्रत से हमारा तन, मन और आत्मा शुद्ध होती है और हवन करने से पर्यावरण भी साफ होता है। मौन से हमारी वो ऊर्जा बेवजह बर्बाद होने से बचती है जो हम बेकार और फालतू बातों के लिए बर्बाद करते हैं। - पंकज पटेल, भाटापारा

ट्रेंड

यूएई से मज़बूत दोस्ती

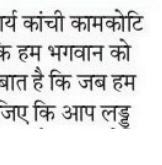

अपने भाई, यूएई के राष्ट्रपति महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का स्वागत करने के लिए एयरपोर्ट गया। उनकी यह यात्रा दिखाती है कि वह भारत-यूएई की मज़बूत दोस्ती को कितनी अहमियत देते हैं। हमारी बातचीत का इंतज़ार है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

पार्वती गिरी को नमन

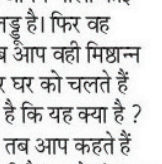

महान स्वतंत्रता सेनानी एवं समाजसेवी पार्वती गिरी जी की 100वीं जयंती पर कोटि-कोटि नमन। अल्पायु में ही भारत छोड़ो आंदोलन से जुड़कर मातृभूमि की स्वाधीनता के लिए अहम भूमिका निभाई थी। पार्वती जी का त्याग-राष्ट्रप्रेम प्रेरणास्रोत है।

-अमित शाह, गृहमंत्री

संघर्ष करते तो बनते महान

देशभर में ऐसे लोगों को देखते है जो किसी बात पर विश्वास तो करते है, लेकिन कहने का साहस नहीं रखते लेकिन महान राष्ट्र चुप्पी से नहीं बनते। जब वे विचार खुलकर रखते हैं उसके लिए संघर्ष करते है तब व महान बनते है। - राहुल गांधी. कांग्रेस सांसद

हार्दिक शुभकामनाएं

कोकबोरोक दिवस के अवसर पर त्रिपुरा के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं। यह विशेष अवसर कोकबोरोक का जश्न मनाता है - यह एक प्राचीन, सांस्कृतिक रूप से जीवंत स्वदेशी भाषा है जो सदियों से बोली जाती रही है, और यह भारत की विविधता और साझा मूल्यों की समृद्धि को उजागर करती है।-

- मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

करंट अफेयर

एआई बॉट चुनावों को प्रभावित कर सकते हैं

दुनिया के पहले सोशल मीडिया आधारित 'वॉरगेम' से यह खुलासा हुआ है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से संचालित बॉट न केवल बड़े पैमाने पर गलत सूचना फैला सकते हैं, बल्कि संगठित तरीके से चुनावी नतीजों को भी प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। यह बात ऐसे समय में सामने आयी है, जब वैश्विक स्तर पर सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों और डीपफेक सामग्री को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। एआई बॉट एआई पर आधारित सॉफ्टवेयर प्रोग्राम होता है, जो इंसानों की तरह बातचीत करने, सवालों के जवाब देने और काम करने में सक्षम होता है। रिपोर्ट में 14 दिसंबर 2025 को ऑस्ट्रेलिया के सिडनी स्थित बॉन्डी बीच पर हुए आतंकी हमले का उल्लेख किया गया है, जिसमें 15 नागरिकों और एक हमलावर की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद, जब देश सदमे में था, सोशल मीडिया पर एआई की मदद से तैयार की गई भ्रामक सामग्री तेजी से फैलने लगी। न्यू साउथ वेल्स के प्रीमियर क्रिस मिंस का छेड़छाड़ करके तैयार किया गया एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें दावा किया गया कि हमलावरों में से एक भारतीय नागरिक था। इसके अलावा, सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक कथित 'नायक' का महिमामंडन किया गया।

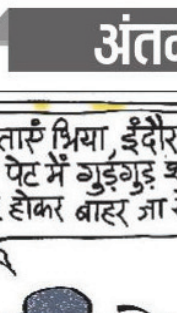

ऑफ बीट

महासागर पहले कभी हरे रंग के हुआ करते थे

महासागर धरती के करीब तीन चौथाई हिस्से पर फैले हैं जिससे यह ग्रह आकाश से हल्के नीले रंग का दिखता है। लेकिन 'नेचर पत्रिका' में प्रकाशित एक अध्ययन रिपोर्ट में जापानी शोधकर्ताओं ने यह दावा किया है कि पृथ्वी के महासागर कभी हरे हुआ करते थे। प्राचीन काल में पृथ्वी के महासागरों के अलग रंग में दिखने का संबंध उनके रसायन विज्ञान और प्रकाश संश्लेषण के विकास से है। भूविज्ञान के स्नातक छात्र के रूप में, मुझे ग्रह के इतिहास को रिकॉर्ड करने के लिहाज से 'बैंडेड आयरन' संरचना के रूप में जाने जाने वाले एक प्रकार के 'चट्टानी जमाव' के महत्व के बारे में पढ़ाया गया था। 'बैंडेड आयरन' संरचना का जमाव आर्कियन और पैलियोप्रोटेरोजोइक युग में लगभग 3.8 से 1.8 अरब साल पहले हुआ था। उस समय जीवन महासागरों में एक कोशिका वाले जीवों तक ही सीमित था। महाद्वीप ग्रे, भूरे और काले रंग की चट्टानों और जमा तलछटों का एक बंजर परिदृश्य था। महाद्वीपीय चट्टानों पर गिरने वाली बारिश की बूंदों से उसमें विद्यमान लोहा घुलकर नदियों के जरिये महासागरों में पहुंच गया। लोहे के अन्य स्रोत समुद्र तल पर ज्वालामुखी थे। यह लोहा (आयरन) बाद में महत्वपूर्ण हो गया होगा।

भाजपा में नितिन नबीन युग का आरम्भ,बने राष्ट्रीय अध्यक्ष

अटल भवन में कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता नितिन नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने और कार्यभार संभालने के उपलक्ष्य में जनपद स्थित भाजपा कार्यालय अटल भवन में हर्षोल्लास का माहौल देखा गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष रवि कुमार मिश्रा के नेतृत्व में कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। जिलाध्यक्ष रवि कुमार मिश्रा ने इस मौके पर कहा कि नितिन नबीन के नेतृत्व में पार्टी संगठन और अधिक सशक्त होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इससे राष्ट्रहित और जनकल्याण के कार्यों को नई गति मिलेगी। मिश्रा ने इस क्षण को पार्टी के लिए गौरवपूर्ण बताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इनमें जिला महामंत्री वरुण सिंह, जिला महामंत्री बिंदु विश्वकर्मा, जिला उपाध्यक्ष बृजेंद्र तिवारी, जिला उपाध्यक्ष आद्या सिंह, पूर्व जिला महामंत्री डॉ. अजय सिंह पिंकू, जिला मंत्री अवधेश त्रिपाठी, एलडीबी चेयरमैन घनश्याम तिवारी, जिला कार्यसमिति सदस्य संदीप उपाध्याय, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष ललिता तिवारी, महिला मोर्चा महामंत्री साधना पांडे, मंडल अध्यक्ष सुरेश त्रिपाठी, राकेश गुप्ता, सभासद सरोज तिवारी, मंडल महामंत्री मनीष त्रिपाठी और दिनेश मिश्रा शामिल थे। कार्यकताओं ने इस दौरान खुशी जाहिर करते हुए पार्टी की एकजुटता और संगठनात्मक मजबूती का संदेश दिया।

नोएडा में 'रफ़्तार का कहर'! भंगेल एलिवेटेड रोड पर जगुआर ने बरपाया मौत का तांडव, एक युवती की मौत, तीन की हालत नाजुक

एजेंसी

नई दिल्ली, दिल्ली से सटे नोएडा के भंगेल एलिवेटेड रोड पर मंगलवार को एक रूह कपा देने वाला सड़क हादसा हुआ। बेकाबू रफ्तार से दौड़ रही एक जगुआर (खँ४१) कार ने कहर बरपाते हुए एक युवती की जान ले ली, जबकि तीन अन्य लोग इस टक्कर में गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद एलिवेटेड रोड पर चीख-पुकार मच गई और ट्रैफिक थम गया। यह तेज रफ्तार टक्कर एक जगुआर कार से हुई और इससे भारी नुकसान हुआ, जिससे इलाके में आने-जाने वालों में दहशत फैल गई। शुरूआती रिपोर्टों के अनुसार, लग्जरी कार बहुत तेज रफ्तार से चल रही थी जब वह जोरदार तरीके से टकरा गई। चश्मदीदों ने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि उसकी आवाज दूर तक सुनाई दी और पास के वाहन अचानक रुक गए।

ओटीटी प्लेटफॉर्म को लेकर नियमन होना चाहिए: अनंत विजय

एजेंसी

नई दिल्ली, अखिल भारतीय साहित्य परिषद् द्वारा रविवार को नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला में 'ओटीटी प्लेटफॉर्म की साम ?ग्री का नियमन' विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। परिचर्चा में अपने विचार रखते हुए 'ओवर द टॉप का मायाजाल' पुस्तक के लेखक एवं समीक्षक अनंत विजय ने कहा कि ओवर द टॉप यानी ओटीटी पर जिस तरह की सामग्री परोसी जा रही है, इसे लेकर लंबे समय से चर्चा हो रही है। अच्छी बात है कि अखिल भारतीय साहित्य परिषद् इस विषय पर परिचर्चा आयोजित कर रही है। उन्होंने कहा कि सिनेमा से ज्यादा बड़ा फलक ओटीटी का हो गया है। इस माध्यम में कुछ अच्छी कहानियां दिखाई जा रही हैं, लेकिन अनेक कहानियों में प्रस्तुत भगवान का उपहास उड़ाने की प्रवृत्ति, सेना और सैनिकों की छवि खराब करने जैसे प्रसंग, गाली-गलौज, यौनिकता, नग्नता, हिंसा से भरे कंटेंट चिंता का विषय है और उस पर कहीं न कहीं अंकुश लगाने की आवश्यकता है। मेरा मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म को लेकर नियमन होना चाहिए। सरकार पर इसे लेकर बहुत दबाव है और वह विचार कर रही है। हालांकि इसके लिए काफी संसाधनों की आवश्यकता होगी। कार्यक्रम के प्रारंभ में अखिल भारतीय साहित्य परिषद् के अ.भा. कार्यालय मंत्री संजीव सिन्हा ने संस्था परिचय प्रस्तुत करते हुए कहा कि परिषद् भारतीय भाषाओं के साहित्यकारों एवं साहित्यप्रेमियों की संस्था है। 1966 ई. में स्थापित इस संस्था के संस्थापक अध्यक्ष महान साहित्यकार जैनेंद्र कुमार थे। 'साहित्य परिक्रमा' पत्रिका प्रबंधक रजनी मान ने परिषद् के रीवा राष्ट्रीय अधिवेशन में 'ओटीटी प्लेटफॉर्म की सामग्री का नियमन' विषय पर पारित प्रस्ताव का पाठ प्रस्तुत किया, जिसमें कहा गया है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म एवं गेमिंग एप्स पर प्रसारित होनेवाली प्रत्येक सामग्री के परीक्षण, नियमन और वर्गीकरण हेतु शासन द्वारा एक सशक्त, स्वायत्त विधायी नियामक संस्था का गठन किया जाए। परिचर्चा का संचालन इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती, आरके पुरम विभाग के अध्यक्ष एवं जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्राध्यापक मलखान सिंह ने किया। कार्यक्रम के संयोजक मुन्ना रजक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय साहित्य परिषद् के अ.भा. कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण आर्य, इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती के अध्यक्ष विनोद बब्बर, उपाध्यक्ष मनोज शर्मा एवं ममता वालिया, संयुक्त महामंत्री बृजेश गर्ग, मंत्री सुनीता बुग्गा एवं राकेश कुमार, जगदीश सिंह, नरेन्द्र मिश्र, अखिलेश द्विवेदी, नवीन नीरज, जितेन्द्र कालरा सहित बड़ी संख्या में साहित्यकार एवं साहित्यप्रेमियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

ग्रीनलैंड पर अमेरिकी कब्जा आवश्यक

ट्रंप ने चागोस द्वीपसमूह मॉरीशस को सौंपने के ब्रिटेन के फैसले की आलोचना की, ब्रिटेन ने बचाव किया

लंदन। चागोस द्वीपसमूह की संप्रभुता मॉरीशस को सौंपने के ब्रिटेन के फैसले की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आलोचना किए जाने के बाद हैरत में पड़ी ब्रिटिश सरकार ने मंगलवार को अपने निर्णय का बचाव किया। इससे पहले ट्रंप प्रशासन ने ब्रिटेन के इस फैसले का समर्थन किया था।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, हैरानी की बात है कि हमारा शानदार नाटो सहयोगी ब्रिटेन इस समय डिएगो गार्सिया द्वीप (जहां अमेरिका का एक अत्यंत महत्वपूर्ण सैन्य अड्डा स्थित है) को मॉरीशस को सौंपने की योजना बना रहा है और वह भी बिना किसी वजह के। उन्होंने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि चीन और रूस ने पूरी तरह कमजोरी भरे इस कदम पर ध्यान दिया होगा। ट्रंप ने कहा कि ब्रिटेन द्वारा अत्यंत महत्वपूर्ण भूमि को सौंपा जाना घोर मूर्खता का कार्य है और यह राष्ट्रीय सुरक्षा के उन कई कारणों में से एक है जिनके चलते ग्रीनलैंड पर अमेरिकी कब्जा आवश्यक है। अमेरिकी राष्ट्रपति की यह तीखी प्रतिक्रिया ग्रीनलैंड को लेकर बढ़े तनाव को शांत करने और कमजोर पड़ चुके अटलांटिक पार संबंधों को सुधारने के ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के प्रयासों के लिए एक झटका है। स्टार्मर ने सोमवार को ग्रीनलैंड पर कब्जा करने संबंधी ट्रंप के बयानों को पूरी तरह गलत बताया, लेकिन साथ ही कहा कि इस मतभेद को शांतिपूर्ण चर्चा के जरिये सुलझाया जाना चाहिए। ब्रिटेन और मॉरीशस ने मई में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे जिसके तहत दो सदियों तक ब्रिटिश नियंत्रण में रहने के बाद चागोस द्वीपसमूह की संप्रभुता मॉरीशस को दी जाएगी। हालांकि, इस द्वीपसमूह के जिस डिएगो गार्सिया द्वीप पर अमेरिकी सैन्य अड्डा स्थित है, उसे ब्रिटेन कम से कम 99 साल के लिए पट्टे पर वापस लेगा। अमेरिका सरकार ने पूर्व में समझौते का स्वागत करते हुए कहा था कि इससे डिएगो गार्सिया में स्थित संयुक्त अमेरिकी-ब्रिटिश सैन्य अड्डे का दीर्घकालिक, स्थिर और प्रभावी संचालन सुनिश्चित होगा। ब्रिटेन के कैबिनेट मंत्री डैरेन जोन्स ने मंगलवार को कहा कि यह समझौता अगले 100 वर्षों के लिए उस सैन्य अड्डे को सुरक्षित करेगा। हाल के वर्षों में संयुक्त राष्ट्र और इसकी सर्वोच्च अदालत ने ब्रिटेन से द्वीपों को मॉरीशस को लौटाने को कहा है। सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा कि ब्रिटेन हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा पर कभी समझौता नहीं करेगा और यह समझौता डिएगो गार्सिया स्थित संयुक्त अमेरिकी-ब्रिटिश सैन्य अड्डे के संचालन को पीढ़ियों तक सुरक्षित करता है, जिसमें इसकी अनूठी क्षमताओं को बरकरार रखने और हमारे दुश्मनों को बाहर रखने के लिए मजबूत प्रावधान शामिल हैं। लेकिन इस समझौते का ब्रिटेन के विपक्षी दलों ने कड़ा विरोध किया है। उनका कहना है कि द्वीपों को छोड़ने से उन पर चीन और रूस के हस्तक्षेप का खतरा बढ़ सकता है। समझौते को मंजूरी देने वाला विधेयक हाउस ऑफ कॉमन्स (निचले सदन) में पारित हो चुका है, लेकिन ऊपरी सदन में इसका कड़ा विरोध हुआ। सदन ने इसे पारित करने के साथ-साथ विधेयक पर खेद व्यक्त करते हुए एक प्रस्ताव भी पारित किया। मंगलवार को इस पर आगे की चर्चा के लिए इसे सदन में फिर से प्रस्तुत किया जाएगा।

उर्सला ने ग्रीनलैंड पर शुल्क की धमकी से ट्रंप की विश्वसनीयता पर उठाया सवाल

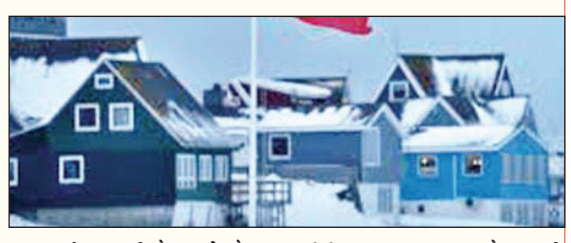

दावोस। यूरोपीय संघ की शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्होंने पिछले वर्ष यूरोपीय संघ के सदस्य देशों पर नए शुल्क नहीं लगाने पर सहमति जताई थी।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि ग्रीनलैंड पर ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए शुल्क खासतौर पर लंबे समय से सहयोगी रहे देशों के साथ एक गलती हैं। वह ट्रंप की उस घोषणा पर प्रतिक्रिया दे रही थीं कि फरवरी से उन आठ यूरोपीय देशों से आने वाले सामान पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाएगा, जिन्होंने डेनमार्क के अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड पर अमेरिका का कब्जा करने के ट्रंप के आह्वान के बाद डेनमार्क का समर्थन किया है। वॉन डेर लेयेन ने स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक के दौरान कहा, यूरोपीय संघ और अमेरिका जुलाई में एक व्यापार समझौते पर सहमत हुए थे। राजनीति में भी, जैसे व्यापार में-समझौता मतलब समझौता होता है। और जब मित्र हाथ मिलाते हैं, तो उसका कुछ अर्थ होना चाहिए। हम अमेरिका के लोगों को न केवल अपना सहयोगी बल्कि अपना मित्र भी मानते हैं। और हमें खाई में धकेलने से केवल उन्हीं शत्रुओं को लाभ होगा जिन्हें हम दोनों रणनीतिक परिदृश्य से बाहर रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह प्रतिबद्धता जतायी कि यूरोपीय संघ की प्रतिक्रिया अटल, एकजुट और जवाबी होगी। ट्रंप ने इस बात पर जोर दिया है कि अमेरिका को चीन और रूस से संभावित खतरों से सुरक्षा के लिए इस क्षेत्र की आवश्यकता है। मंगलवार को अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि यूरोप के साथ अमेरिका के संबंध मजबूत बने हुए हैं और उन्होंने व्यापारिक साझेदारों से आग्रह किया कि वे गहरी सांस लें और ग्रीनलैंड को लेकर नए शुल्क की धमकियों से उपजे तनाव को सुलझने दें। मुझे लगता है कि हमारे संबंध इतने अधिक घनिष्ठ कभी नहीं रहे।

पॉक्सो एक्ट: दोषी जलील मोहम्मद को कठोर आजीवन कारावास की सजा

सोनभद्र। करीब 4 वर्ष पूर्व 14 वर्षीय नाबालिग आदिवासी लड़की के साथ हुए सामुहिक दुष्कर्म के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट अमित वीर सिंह की अदालत ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी जलील मोहम्मद को आजीवन कठोर कारावास की सजा सुनाई। उसके ऊपर एक लाख रुपए अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड अदा न करने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अर्थदंड की धनराशि में से 80 हजार रुपए पीड़िता को मिलेगी। वहीं तीन अन्य नाबालिग आरोपियों की पत्रावली किशोर न्याय बोर्ड में चल रही थी।

यूक्रेन के बिजली ग्रिड पर रूस का हमला

कीव। रूस ने यूक्रेन के बिजली ग्रिड को निशाना बनाते हुए 300 से अधिक ड्रोन तथा बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें दागीं।

राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा कि मॉस्को की ओर से युद्ध समाप्त करने की कोई इच्छा फिलहाल दिखाई नहीं दे रही है। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को के अनुसार, सोमवार रात हुए इस हमले के कारण राजधानी में 5,600 से अधिक अपार्टमेंट इमारतों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। उन्होंने बताया कि प्रभावित इमारतों में से लगभग 80 प्रतिशत में, हाल ही में 9 जनवरी को हुए बड़े रूसी हमले के बाद बिजली बहाल की गई थी। उस दौरान हजारों लोग कई दिनों तक बिजली गुल रहने से प्रभावित हुए थे। यूक्रेन हाल के वर्षों के सबसे सर्द मौसम का सामना कर रहा है। कीव में तापमान शून्य से 20 डिग्री सेल्सियस तक नीचे गिर गया है। इसी बीच, रूस ने बिजली ग्रिड पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं, जिनका उद्देश्य यूक्रेनवासियों को गर्मी प्रदान करने वाले उपकरणों के उपयोग और पेयजल आपूर्ति से वंचित करना तथा 24 फरवरी 2022 को शुरू किए गए पूर्ण पैमाने के आक्रमण के लगभग चार साल बाद उनके प्रतिरोध को कमजोर करना बताया जा रहा है।

पुलिस को एआई से मिली मदद, तीन गिरफ्तार

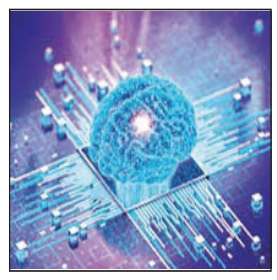

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक का इस्तेमाल करके शालीमार बाग में दिनदहाड़े हुई एक महिला की हत्या का मामला सुलझा लिया है। तकनीक की मदद से धुंधले सीसीटीवी फुटेज में आरोपियों की तस्वीर को और साफ किया गया, जिससे बिहार के तीन लोगों की पहचान हुई और उन्हें गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से एक लंबे समय से फरार अपराधी भी शामिल है। उसने ही रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) की अध्यक्ष रचना यादव (44) की हत्या की साजिश रची थी। पुलिस के अनुसार, रचना उन आरोपियों के खिलाफ गवाही देने वाली थीं जिन्होंने 2023 में उनके पति बिजेंद्र यादव की हत्या की थी। पुलिस के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच के दौरान घटनास्थल और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज की गुणवत्ता खराब होने से काफी मुश्किलें आईं। उन्होंने बताया, सीसीटीवी फुटेज की गुणवत्ता सुधारने के लिए एआई तकनीक का इस्तेमाल किया गया और शूटरों की स्पष्ट तस्वीरें प्राप्त की गईं, जिससे एक आरोपी की पहचान हरियाणा के पानीपत निवासी निखिल के रूप में हुई। रचना यादव की 10 जनवरी को उनके घर के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस संबंध में निखिल (22), सुमित (23) और भारत यादव (33) को गिरफ्तार किया है। विशेष पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) रवींद्र सिंह यादव ने बताया कि घटना वाले दिन पूर्वाह्न करीब 11 बजे पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को फोन आया।

पिपरी पुलिस द्वारा 1 अन्तर्राज्यीय अवैध शराब तस्करी का अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी के कुशल मार्गदर्शन में जनपद में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में प्रभारी निरीक्षक पिपरी सत्येन्द्र कुमार राय द्वारा थाना पिपरी क्षेत्रान्तर्गत संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चेकिंग के दौरान हाईटेक तिराहा पर मौजूद रहते हुए मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि खाड़पाथर, थाना हाथीनाला के जंगल मुख्य मार्ग से होकर दिनांक 20.01.2026 को समय लगभग 12.40 बजे एक कंटेनर के माध्यम से झारखण्ड के रास्ते रांची अवैध अंग्रेजी शराब ले जाई जा रही है। प्राप्त सूचना पर तत्परता दिखाते हुए पुलिस टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त श्रवण कुमार पुत्र चैनाराम निवासी रूपसर बलाड़, तहसील पोखरण, थाना फलसून्ड, जिला जैसलमेर (राजस्थान), उम्र लगभग 33 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से कंटेनर में लदी 1019 पेटी में कुल 23,508 शीशी अवैध अंग्रेजी शराब (कुल मात्रा 9088.02 लीटर), जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 82 लाख रुपये है, एक अदद कंटेनर जिसकी कीमत लगभग 35 लाख रुपये, 01 अदद एंड्रॉयड मोबाइल फोन तथा जामा तलाशी से 950 रुपये नगद बरामद किए गए। बरामदगी एवं गिरफ्तारी के आधार पर थाना पिपरी जनपद सोनभद्र पर मु0अ0सं0- 13/2026 धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2), 61(2) बीएनएस व 60, 63, 72 आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्त को विधिक कार्रवाई पूर्ण करते हुए माननीय न्यायालय भेजा गया।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

//ईश्तहार//

(अंतर्गत धारा 247(4) छ०ग० भू राजस्व संहिता 1959)

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता/संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक संस्था श्री सिमेंट लिमिटेड, सिविल लाईन रायपुर वर्तमान पता ग्राम खपराडीह पोस्ट रावन, तहसील सुहेला जिला बालौदाबाजार भाटापारा (छ०ग०) द्वारा आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 247 (4) छ.ग. भू राजस्व संहिता 1959 प्रस्तुत कर अनावेदक कृशक भानुप्रताप ध्रुव पिता नरेष ध्रुव निवासी ग्राम लिमाही, तहसील बलौदाबाजार जिला बलौदाबाजार भाटापारा छ०ग० की ग्राम कुम्दा में धारित भूमि खसरा नम्बर 381. 382. 383, 391/2, 392/2 421/1, 421/2 421/3, 422, 423/1, 423/2, 423/3 कुल रकबा 1.720 हे० भूमि जो श्री सीमेंट लिमिटेड के (कोयला पत्थर) खनिज लीज क्षेत्र में आती है. का मुआवजा निर्धारित कर सतही अधिकार प्रदत्त करने का अनुरोध किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है। अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 6/2/2026 तक न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 19/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)

सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

//ईश्तहार//

(अंतर्गत धारा 247(4) छ०ग० भू राजस्व संहिता 1959)

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता / संस्था / विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक संस्था श्री सिमेंट लिमिटेड, सिविल लाईन रायपुर वर्तमान पता ग्राम खपराडीह पोस्ट रावन, तहसील सुहेला जिला बालौदाबाजार माटापारा (छ०ग०) द्वारा आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 247(4) छ.ग. भू राजस्व संहिता 1959 प्रस्तुत कर अनावेदक कृशक 1. हिमांचल राजवाडे 2. हीरालाल पिता गेंदा की ग्राम कुम्दा में धारित 0.210 हे० भूमि जो श्री सीमेंट लिमिटेड के (कोयला पत्थर) खनिज लीज क्षेत्र में आती है. का मुआवजा निर्धारित कर सतही अधिकार प्रदत्त करने का अनुरोध किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दाबा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक / लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा / आपत्ति दिनांक 06 / 02 / 2026 तक न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक19/1/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा0)

सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) धौरपुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र० /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम धौरपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक फिरोज खान आ० शेर मोहम्मद खान, जाति मुसलमान, निवासी ग्राम धौरपुर, तहसील लुण्ड्रा (धौरपुर), जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम धौरपुर, तहसील लुण्ड्रा (धौरपुर) स्थित खसरा नंबर 227 रकबा 0.227 हे0 में से रकबा 0.020 हे० भूमि को कृषि भिन्न से आवासीय प्रयोजन व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1, खसरा, रजिस्ट्री इत्यादि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 23/01/2026 को मेरे न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 13/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी

(रा०) धौरपुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202601020700117/

विषयः- अ-6

मामले की श्रेणी- राजस्व

सनः-2025-2026

कालापारा (प.ह.न. 00029),

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार सुनैना गुप्ता

अनावेदक पक्षकार -तिलकधारी-विनेश्वर,

ईश्तहार

आवेदक सुनैना गुप्ता पनि स्व० राहुल कुमार गुप्ता निवासी ग्राम सपना तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम कालापारा स्थित कुल खसरा नंबर 03 कुल रकबा 0.628 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृतक खातेदार तिलकधारी का नाम विलोपित कर फोती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09.02.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 15.01.2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार

तहसील- अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/.../अ-20 (3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक नर्वदा प्रसाद ठाकुर, नरेश ठाकुर पिता स्व० जगदीश प्रसाद ठाकुर दोनो जाति नाई निवासी देवीगंज रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर-02 मोहल्ला देवीगंज रोड नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 427/1, रकबा 0.08,1/2 एकड़ भूमि एवं मकान को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-06/02/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः-13/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी

अम्बिकापुरार कि- सरगुजी (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202601020700116/

विषयः- अ-6

मामले की श्रेणीः- राजस्व

सनः-2025-2026

सुखरी (प ह न. 00029),

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार सुनैना गुप्ता,

अनावेदक पक्षकार -तिलकधरी,

ईश्तहार

आवेदक सुनैना गुप्ता पत्नि स्व० राहुल कुमार गुप्ता निवासी ग्राम सपना तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम सुखरी स्थित कुल खसरा नंबर 07 कुल रकबा 1.592 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृतक खातेदार तिलकधारी का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09.02.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 15/01/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार

तहसील- अम्बिकापुर

न्यायायल तहसीलदार लखनपुर जिला-सरगुजा छत्तीसगढ

ईश्तहार

लखनपुर, दिनाँक 16/1/2026

प्रति,

समस्त ग्रामवासी

ग्राम अंधला

तहसील लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका..... आ0 स्व चैना निवासी ग्राम अंधला तहसील लखनपुर के द्वारा अपने स्व चैना की मृत्यु दिनॉक 25.08.2012 को हो जाने से (जन्म मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ०ग० जन्म - मृत्यु रिज० नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत मृत्यु प्रमाण - पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिस पर दिनॉक27-1-26. को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथी 27/1/26 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनॉक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा

तहसीलदार

लखनपुर

भारतीय स्त्रियां गणतांत्रिक व्यवस्था के प्रति पूरी आस्था रखती हैं, वे इसे व्यापक संदर्भों में देखती हैं। उनके लिए गणतंत्र केवल एक राजनीतिक व्यवस्था नहीं, परिवार-समाज की एक ऐसी संरचना है, जो आपस में सबको जोड़ती है। स्त्रियों का मानना है, घर का संविधान शब्दों में नहीं, व्यवहार में लिखा जाता है, जो जीवन मूल्य सहेजता है। आज की स्त्रियों का यह भी मानना है कि घर-परिवार का लोकतंत्र मजबूत है तो देश का गणतंत्र भी हमेशा मजबूत रहेगा।

नए युग में स्त्री के लिए गणतंत्र के मायने

आवरण कथा

कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

कभी-कभी बदलाव शोर मचाकर नहीं, दबे पांव भी आते हैं और भीतर ही भीतर विचलित कर देते हैं। ऐसे बदलाव धीरे से आकर हमारे भीतर बैठ जाते हैं, हमें पता तब चलता है, जब हम स्वयं को पहले जैसा नहीं पाते। इस तकनीकी युग के आगमन के साथ स्त्री की सजगता और स्वतंत्रता के दायरे में एक मौन के साथ गहरा बदलाव घटित हुआ है। यह बदलाव केवल सुविधा का नहीं, बल्कि मां के अनुभव और उसकी नैतिक समझ को चुनौती देने वाला है, मानो समय के प्रवाह में अचानक आईने रख दिए गए हों, जिनमें स्त्री को स्वयं को नए सिरे से देखने की चुनौती आ खड़ी हुई हो। खासतौर पर वे स्त्रियां, जिनके बच्चे बढ़ रहे हैं, पढ़ रहे हैं। जिन्हें बच्चों के अनुभव, अनुभूति, अभिव्यक्ति को तराशना है, उनके लिए यह तकनीकी दौर का संविधान, पहेली जैसा है।

बदलते समय का चक्रः सत्तर के दशक की मां के हाथ में छड़ी होती थी। वह छड़ी क्रूरता का प्रतीक नहीं, बल्कि वह स्पष्टता का संकेत थी। उसमें सीमा थी, अनुशासन था, और एक ऐसी नैतिक रेखा थी, जिसे लांघने से पहले बच्चा ठिठकता था, सोचता था, डरता था। फिर भी उस दौर की मां को उसकी संतान डर से नहीं, प्रेम, भरोसे और एक सहज स्नेह के साथ देखती थी। समय बदला। मां ने भी समय के साथ स्वयं को बदला। मांओं की दुनिया में घर के अलावा विद्यालय, ऑफिस, हवाई अड्डे, बस अड्डे आदि जुड़ने लगे तो उनके हाथ में छड़ी की जगह उपहार आ गए, संवाद, सुविधा, समझाइश, सहमति। यह परिवर्तन किसी हार का नहीं, संवेदनशीलता के विस्तार की यात्रा के रूप में देखा गया। लेकिन समय यहीं नहीं रुका। यह ऐसा समय है, जो न छड़ी से अनुशासित होता दिख रहा है और न ही उपहारों से साधा जा सकता है। यह न स्नेह से पिघलता है, न डांट से रुकता है। यहां स्कूल का होमवर्क हो या बहुराष्ट्रीय कंपनियों का जटिल डेटा, सब कुछ क्षण भर में सुलझ जाता है। स्त्री यह सब देख रही है।

जटिलताओं का अंबारः मां की भूमिकाएं बदल रही हैं। आज की स्त्री के पास जटिलताओं का अंबार है। उसे अपने भीतर ठहरकर सोचना होगा कि यदि सब कुछ इतना तात्कालिक, असुविधा रहित होता चला गया, तो अनुभव कहां जाएगा? संघर्ष कहां टिकेगा? चिंतन की वह धीमी आग कहां सुलगेगी, जो मनुष्य को मनुष्य बनाने में मदद करती है। ऐसी विधि जो मनुष्य को केवल सक्षम नहीं, संवेदनशील भी बनाती है। भय यह नहीं है कि एक दिन मशीन मनुष्य बन जाएगी। भय यह है कि मनुष्य अपने सोचने, ठहरने और गलती करने के अधिकार से वंचित हो जाएगा, और तब यह दुनिया कैसी होगी, इसकी कल्पना ही सिहरन पैदा करती है, क्योंकि जिस गति से मनुष्य दौड़ रहा है, वह मानव तो रहने वाला है नहीं। यहीं से स्त्री का गणतंत्र जन्म लेता है। किसी उद्घोष से नहीं, बल्कि इस गहरी चिंता से कि मनुष्य कैसे बचा रहे?

स्त्री के लिए संविधान शब्दों से नहीं व्यवहार से लिखा जाता हैः अंतिम निर्णय किसी बाहरी व्यवस्था से नहीं, मनुष्य के भीतर रचे गए विवेक से जन्म लेता है। स्त्री इस विवेक को जानती है, इसलिए उस पर भरोसा करती है। उसके घर का संविधान शब्दों में नहीं, व्यवहार में लिखा जाता है, जहां संवेदना कोई सजावटी मूल्य नहीं, बल्कि जीवन की अमूल्य शर्त है। वहां दक्षता उपयोगी हो सकती है, पर निर्णायक नहीं, उपलब्धि दिख सकती है, पर मनुष्यता से बड़ी नहीं होती। आज की स्त्री दोहरे मोर्चों पर डटी है। वह ऐसा घर बनाना चाहती है, जहां गणतंत्र किसी एक दिन का उत्सव नहीं, रोज का अभ्यास बने। छोटे-छोटे निर्णयों में, सुने गए प्रश्नों में, रोके गए मुद्दों में और उस सावधानी में, जिससे मनुष्य को परिणामों में नहीं बदला।

आज की सबसे बड़ी चुनौतीः स्त्री जानती है कि प्रतीक जरूरी हैं, पर संरचना सजगता से बनती है। आज की स्त्री अनुभव से सीख चुकी है कि यदि घर के भीतर लोकतंत्र जीवित है, तो वह अपने घर को प्रयोगशाला नहीं बनने देगी। वह नहीं चाहेगी कि बच्चे आंकड़ों में ढलें और संबंध माप-तौल में सिमट जाएं। आज की स्त्री की समझ सीधी भी है और गहरी भी। अगर नहीं है तो वह अपनी समझ गहरी करती है, क्योंकि घर के भीतर लोकतंत्र जीवित रहा, तो देश के गणतंत्र को बचाने के लिए बाहर किसी संघर्ष की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। मानवता का गणतंत्र न भय पर टिका है, न किसी प्रलोभन पर, बल्कि उस स्वतंत्र सोच और सजग उपस्थिति पर टिका है, जो समय की आंखों में आंखें डालकर प्रश्न कर सके। क्योंकि जीवन भूलों में रहकर ही अपने लिए बेहतर चुनना सीखता है, और यही प्रक्रिया मनुष्य को मनुष्य बनाए रखती है। पर जिस गति से मशीन, मानवीय समय को स्थिर करती हुई मानकीकृत शक्ति को भस्मासुर की तरह बढ़ा रही है, वहां सबसे बड़ी चुनौती यही है कि मनुष्य अपनी अनुभूति, धीमी गति और चूक की संभावना को बचाए रखे। ऐसे समय में स्त्री को किसी एक पथ में नहीं, बल्कि संतुलन साधने के साथ खोजने होंगे, ताकि तकनीकी साधन बनी रहे, निर्णायक न बने, और जीवन अपनी स्वाभाविक लय में बहता रहे। यही उसका गणतंत्र है, अघोषित, पर हर दिन जिया जाने वाला, निरंतर।

स्त्री के लिए चेतना की एक संरचना है गणतंत्र

आज की जागरूक स्त्री के लिए गणतंत्र केवल कोई राजनीतिक व्यवस्था नहीं है, बल्कि चेतना की एक संरचना है। एक ऐसा आंतरिक संविधान, जो शोर में नहीं, आत्मसंवाद में रचा जाता है। यह वह गणतंत्र है, जहां सुविधा से पहले विवेक की बात की जाती है। गति से पहले ठहराव आता है और उत्तर से पहले प्रश्न पूछे जाते हैं। क्योंकि प्रश्न पूछना ही मनुष्य की अंतिम आजादी है। स्त्री जानती है कि तकनीक को न तो पूरी तरह नकारा जा सकता है, न आंख मूंदकर अपनाया जा सकता है। इसलिए वह गणतंत्र की गरिमा संसद के शोर में नहीं, अपने घर की चुप्पी में बचाने का संकल्प लेती है। घर जहां वह हर दिन, अनजाने ही, अपना संविधान लिखती है। इस संविधान में सबसे पहले अनुभव का अधिकार सुरक्षित होता है। हर समस्या का त्वरित समाधान नहीं दिया जाता। बच्चे को सोचने दिया जाता है, उलझने दिया जाता है, गिरने और उठने का अवसर दिया जाता है, क्योंकि जीवन उत्तरों से नहीं, प्रक्रिया और प्रतिक्रिया से बड़ा होता है। यहां प्रश्न पूछना अपराध नहीं होता। यहां असहमति अवज्ञा नहीं कहलाती। मशीन से उत्तर लेने से पहले मनुष्य से संवाद किया जाता है। शब्दों के बीच की खामोशी को भी सुना जाता है, समझा जाता है। यहां तकनीक साधन होती है, निर्णायक नहीं। चैटजीपीटी सहायक है, जीवनचर्या का विकल्प नहीं।

नेतृत्वशील बनकर मजबूत करें देश का गणतंत्र

अगर आपके भीतर नेतृत्व के गुण हैं तो आप सशक्त होकर देश के गणतंत्र को भी मजबूत करने में अपना योगदान दे सकती हैं। नेतृत्वशील कैसे बनें, जानिए-

भूमिका

नलिन खोईवाल

आप किसी भी क्षेत्र में हों, आपके भीतर नेतृत्व क्षमता यानी लीडरशिप की क्वालिटी है तो आप न सिर्फ तरक्की पाएंगी, सशक्तिकरण की राह पर भी आएंगी। इस तरह महिलाएं सशक्त बनकर, अपने दायित्वों का सही ढंग से निर्वाह करके देश के विकास में अपना योगदान देकर, देश का गणतंत्र मजबूत कर सकती हैं। आप भी नेतृत्वशील बनिए। इसके लिए आपके भीतर कुछ खूबियों का होना जरूरी है, ये कौन-सी हैं, जानिए-

त्वरित निर्णय लेने की क्षमताः अच्छा नेतृत्व वही कर सकता है, जो अच्छा प्रबंधक हो। अच्छा प्रबंधक बनने के लिए त्वरित निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कोई बात सही है या नहीं, योजना उचित है या नहीं, निर्णय न्यायसंगत है या नहीं, इसके लिए स्वविवेक से निर्णय लेने की भी क्षमता होना बहुत जरूरी है।

दृढ़ इच्छाशक्ति और सेवाभावीः कुशल नेतृत्व वही कर सकता है, जिसके भीतर दृढ़ इच्छाशक्ति और पक्का इरादा हो। आप जो भी निर्णय लें दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास के साथ लें। साथ ही आपका व्यक्तित्व सेवाभावी और दूसरों के प्रति सहानुभूति रखने वाला भी होना चाहिए।

चेहरा हो मुस्कान भराः एक हंसता-मुस्कराता चेहरा, सौ मर्ज की दवा है। एक मधुर मुस्कान भारी से भारी थकान को चुटकी में दूर कर देती है। सफल प्रबंधन के लिए जरूरी है कि आप स्वभाव से हंसमुख भी हों।

ईमानदार, सामर्थ्यवान और बुद्धिमान बनें: आप जिस भी संस्थान में काम कर रही हों, वहां पूरी लगन, निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करें। काम कितना ही बड़ा और जटिल क्यों न हो, आपके भीतर उसे पूरे आत्मविश्वास के साथ करने की सामर्थ्य होनी चाहिए।

सोच हो सकारात्मकः आप जहां भी अपनी सेवाएं दें, नकारात्मक विचारों को त्यागकर सकारात्मक सोच के साथ अपनी सेवाएं दें। जैसी दृष्टि होगी, वैसी ही सृष्टि होगी। कर्म में विश्वास करें और औरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

समय प्रबंधन हो कुशलः नेतृत्व में कुशल महिलाएं हमेशा समय का उचित प्रबंधन करके चलती हैं, क्योंकि कम समय में बहुत सारे काम करने होते हैं। समय के साथ चलें और समय की कीमत को पहचान कर आगे बढ़ें। सफलता के लिए जरूरी है कि कार्य की प्राथमिकता तय कर कार्यों का निष्पादन करें।

बनें परिवर्तनशील और बढ़ावा दें नवचारिता कोः परिवर्तन संसार का नियम है, परिस्थितियों के अनुसार प्रतिष्ठान की कार्यशैली में बदलाव करती रहें। नए-नए प्रयोग कर नवचारिता को बढ़ावा दें। इससे संस्थान में स्वस्थ वातावरण बनेगा, सबकी कार्यक्षमता बढ़ेगी।

हो समर्पण और टीम भावनाः आप काम के प्रति पूरी तरह समर्पित रहें और जरूरत पड़ने पर त्याग करने के लिए तत्पर रहें। सभी को साथ लेकर चलें, टीम भावना का विकास करें, क्योंकि संगठन में ही शक्ति है।

व्यक्तित्व हो सरल-सादगीपूर्णः आपका व्यक्तित्व ऐसा सरल और सादगीपूर्ण होना चाहिए कि दूसरों पर एक अच्छा प्रभाव छोड़े और आप लोगों के लिए एक मिसाल बनें। दिखावे की जिंदगी न जिएं। सादा जीवन-उच्च विचार को महत्व दें।

व्यवहार हो मृदुः एक टीम लीडर के रूप में आपका प्रयास यही हो कि कार्यालय में सौहार्दपूर्ण वातावरण रहे, इससे लोग अनावश्यक तनाव से बचे रहेंगे। आप भी निश्चिंत होकर अपने कार्य का निर्वहन अच्छे से कर पाएंगी।

यहां बताई गई इन बातों को ध्यान में रखेंगी तो सफलताएं आपकी कदम चूमेंगी। देश के विकास में आपकी अहम भूमिका होगी।

वसंत ऋतु में निहित भावबोध को समझें तो यह हमारे भीतर की एक अनुभूति भी है, जीवन जीने की एक कला है। आज की स्त्रियां इस जीवन कला को पूरे मन से अपना रही हैं, अपने संग अपनों के जीवन को वासंती रंगों से संवार रही हैं।

वसंत को जीवनपर्यंत जीती हैं स्त्रियां

जीवनशैली

सरस्वती रमेश

वसंत ऋतु परिवर्तन, सृजन, ज्ञान और नवजीवन का द्योतक है। माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाने वाला वसंत पंचमी, शीत ऋतु के अंत और वसंत ऋतु के आगमन का संदेश लेकर आता है। एक तरह से यह प्रकृति की ऊष्मा को जीवन में उतारने का संदेश लेकर भी आता है। इस संदेश को अपनाने में महिलाएं सबसे आगे होती हैं। वसंत और महिलाओं की प्रकृति का यह साम्य आजीवन बना रहता है।

घर में बिखेरती हैं वसंत की सुगंधः एक स्त्री के जीवन का वसंत ठीक वैसा ही होता है, जैसा प्रकृति के बाहरी स्वरूप में दिखाई पड़ता है। जिस तरह प्रकृति अपने भीतर के साज, कोमलता, रंग, गंध और जीवन को वसंत के माध्यम से अभिव्यक्त करती है, ठीक वैसे ही एक स्त्री प्रकृति के इन विशेषणों को अपने जीवन और आचरण में धारण कर अपने घर-परिवार में बारहों महीने वसंत होने का अहसास भरती है। कोयल के कूकने में, आम्र मंजरियों की सुगंध में, सरसों के पीले फूलों को देखने में जो आनंद की अनुभूति होती है, कुछ-कुछ वैसी ही अनुभूति एक स्त्री सुबह-सुबह चाय की प्याली में भर कर घर भर में बिखेर देती है। उसके पकाने-खिलाने, सजाने-संवारने, पालने-पोसने से जुड़ी हर क्रिया में वसंत का ही राग और रंग निहित होता है। परिवार के हर सदस्य की जरूरत का ख्याल रखकर उनके जीवन में खुशी और संतुष्टि के फूल घर की स्त्री ही खिलाती है। स्त्री के परिश्रम और समर्पण से ही उसके घर के कोने-कोने में वसंत हर समय मुस्कुराता है।

अपनों के जीवन में घोलती हैं रंगः स्त्रियों के जीवन का वसंत कोमल या संकुचित नहीं जीवंत, कर्मठ और विस्तृत होता है। आज की स्त्री अपने जीवन में वसंत लाने के साथ ही अपने पूरे परिवार के सपनों में रंग भी भरती है। वसंत का अर्थ भी यही है। हर ओर फूल, हर ओर हरियाली, हर ओर खुशहाली। उसका मानना है कि जब तक परिवार का प्रत्येक सदस्य अपने जीवन में संतुष्टि, कामयाबी, प्रेम, अपनत्व और प्रसन्नता का वसंत नहीं महसूस करेगा, तब तक उसके जीवन में आया वसंत एकाकी और उल्लासहीन रहेगा। उसमें उल्लास तभी शामिल होगा, जब उसके अपनों के मन के तार भी एक साथ झंकृत हों। इसीलिए आज की स्त्रियों ने घर-परिवार और बाहरी संसार के बीच कुछ इस तरह संतुलन बनाना सीख लिया है कि हर ओर वसंत मुस्कुरा उठे।

पराए को बना लेती हैं अपनाः स्त्री के जीवन में वसंत जीवन भर उसके संग-संग सहचर बना रहता है। बचपन के दिनों में बाबुल के आंगन में उनकी चहचहाहट, किशोरवय की उनकी खिलखिलाहट वसंत के फूलों की तरह घर-आंगन में झरती रहती है। बेटियों के लिए उनके मां-बाप का दुलार-प्यार उनके जीवन के वसंत का सबसे मोहक पक्ष होता है। बहू के रूप में सास-ससुर, ननद, जेठ-जेठानी और देवर को सम्मान और स्नेह के सुगंध से अपना बना लेती हैं। पत्नी के रूप में अपने पति के जीवन का तो वसंत ही बन जाती हैं। ऐसी खिलती और महमहाती हैं कि पराया घर, पराए लोग कब अपने बन जाते हैं, पता ही नहीं चलता।

लुटाती हैं वसंत की ऊष्माः स्त्रियां घर-परिवार में मनाए जाने वाले पर्व-त्योहारों में नए रंग भर देती हैं। रिश्तों में मायूसी की सारी बर्फ, ठिठुरन, ठहराव की शीत पर वसंत की ऊष्मा छिड़कते हुए हर ओर अपनेपन और प्यार के फूल खिलाती हैं, जीना सिखाती हैं।

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

स्किन को यंग बनाएगा केले का छिलका

हम अकसर केला खाने के बाद उसका छिलका डस्टबिन में फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि केले का छिलका आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा सकता है? केले का छिलका एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन बी-6, विटामिन-सी, पोटेशियम और मिनरल्स से भरपूर होता है, जो कि आपकी त्वचा और बालों के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। विटामिन त्वचा को पोषण देते हैं और चमक बढ़ाते हैं। पोटेशियम त्वचा को हाइड्रेट करने में मदद करता है जबकि एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को धूप और प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाते हैं।

फेस मास्कः यह फेस मास्क बनाने के लिए केले के छिलके को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर इन्हें मिक्सी में पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। इस पेस्ट में आधा चम्मच चावल का आटा और आधा चम्मच चीनी मिलाएं। इन तीन चीजों को अच्छी तरह मिक्स करें। इस तरह आपका नेचुरल फेस मास्क तैयार हो जाएगा। इस फेस मास्क को अप्लाई करने से पहले अपने चेहरे को साफ पानी से जरूर धो लें ताकि त्वचा पर जमी मैल और गंदगी हट जाए अन्यथा इसके पॉजिटिव रिजल्ट नहीं आएंगे। इसके बाद इस फेस मास्क को त्वचा पर समान रूप से लगाएं और प्राकृतिक तौर पर सूखने दें। जब मास्क सूख जाए तो ठंडे पानी से चेहरा धो लें। इस मास्क को रोजाना एक बार लगाने से आपकी त्वचा मुलायम, साफ और चमकदार बनेगी। आप चाहें तो यह पेस्ट ज्यादा मात्रा में बनाकर एयर टाइट कंटेनर में भी रख सकती हैं और जरूरत के अनुसार इसका उपयोग कर सकती हैं।

फाइन लाइंस के लिएः अगर आपके चेहरे पर समय से पहले फाइन लाइंस आनी शुरू हो गई है या दाग-धब्बों से परेशान हैं। तो भी केले का छिलका मददगार हो सकता है। इसके लिए पके हुए केले का छिलका लेकर अंदर वाले हिस्से से चेहरे पर धीरे-धीरे मसाज करें। खासकर दाग-धब्बों या पिंपल्स वाली जगह पर। इसके बाद आधे घंटे तक छोड़ दें और फिर गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

रिंकल्सफ्री स्किन के लिएः केले के छिलके के अंदर वाले हिस्से को चेहरे पर कुछ मिनट के लिए रगड़ें, फिर गुलाब जल लगाएं। इसके बाद 25 मिनट के बाद चेहरा धो लें। बेहतर परिणामों के लिए इसका नियमित इस्तेमाल करें।

स्किन टोनिंग के लिएः केले के छिलके को मैश करके इसमें दही मिलाकर स्मूद पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने के बाद आधे घंटे के लिए छोड़ दें फिर ताजे ठंडे पानी से धो डालें। इसके नियमित उपयोग से कील-मुंहासों को चेक करने में भी मदद मिलेगी।

डार्क सर्कल के लिएः आंखों के नीचे के काले घेरे दूर करने में भी केले का छिलका असरदार साबित होता है। इसके लिए आपको सबसे पहले केले के अंदर का सारा रेशा निकालना होगा। इसमें एक चम्मच एलोवेरा जैल मिलाकर आंखों के आस-पास 15-20 मिनट लगाएं और बाद में ताजे पानी से धो डालें। इसके रोजाना उपयोग से आंखों के नीचे की रंगत में असर दिखाई देगा।

नई सोच

चैतन्या

इस बार वसंत ऋतु में सरस्वती पूजन का पर्व और राष्ट्रीय बालिका दिवस (24 जनवरी) का संयोग, अपने में कई संदेश लेकर आया है। संदेश यह कि हमारे प्रोत्साहन से बेटियां अपना उज्ज्वल भविष्य बना सकती हैं।

हमारी बेटियां बनें विवेकशील-सशक्त

वसंत, नव सृजन और उल्लास की रुत है। यह मौसम हर ओर खिले रंग-बिरंगे फूलों और भंवरों की गुंजन के बीच नई ऊर्जा संग जीवन से जुड़ जाने का उल्लास साथ लाता है। मां शारदा की उपासना का उत्सव, वसंत पंचमी भी सर्दी के कुहासे से निकलकर प्रकृति की रौनक से मिलने का पर्व है। ज्ञान, संगीत और कला की देवी वीणावादिनी के अर्चन का पर्व मन से रचनात्मक और जीवन को उल्लासित दृष्टि से देखने वाली बेटियों के लिए भी बहुत अहम होता है। हमारे परिवारों में समय के साथ आए बदलावों ने इस पर्व को और सार्थक बना दिया है। बेटियों की शिक्षा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता के प्रति बदली सोच वसंत पंचमी के उत्सव से जुड़े सुंदर-स्नेह भरे रंगों से मिलवाती है। जिसमें देवी की आराधना के साथ ही बेटी की अनुभूतियों को समझने का भाव भी जुड़ गया है।

लाडलियों के ज्ञान का मानः बेटियां हमेशा से ही घर-आंगन की रौनक मानी जाती हैं। उनकी खिलखिलाहट के बिना हर उत्सव अधूरा लगता है। बेटियों की खुशी और उल्लास अपनों के जीवन में वासंती रंग भर देते हैं। नृत्य-संगीत जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में बेटियों की खूब रुचि रहती है। एक समय था, जब उनके अस्तित्व को घर के बाहर की दुनिया से जोड़कर नहीं देखा जाता था। कलात्मक क्षेत्रों में उनके रुझान को गंभीरता से नहीं लिया जाता था, लेकिन अब बेटियां अपनी कला, बुद्धि और विवेक से हर ओर छाई हुई हैं। परिवार से लेकर समाज और देश के आंगन तक, बेटियों की मौजूदगी दिखती है। उनकी भागीदारी ही नहीं ज्ञान का भी मान होने लगा है। लाडलियों की रचनात्मकता पर अब उनके अपने गर्व करते हैं। ऐसे में ज्ञान, कला और संगीत की देवी के पूजन का पर्व और प्रासंगिक लगता है। वैसे भी वसंत पंचमी का त्योहार पौराणिक और धार्मिक महत्व का ही नहीं सृजनात्मक कार्यों की नई शुरुआत के लिए भी बहुत खास होता है। इस दिन बेटियां भी माता सरस्वती से अपनी प्रतिभा निखारने का आशीर्वाद मांगती हैं।

सशक्त बनाता स्नेहः हमारे घरों में अब बेटियों को देश की शिक्षित-सजग नागरिक बनाने वाला स्नेही भाव साफ दिखता है। यह बदलाव हर बालिका को सही मायने में सशक्त बनाने वाला है। कहते हैं कि अज्ञान का अंधकार दूर होने से ही जिंदगी में सुनहरा सवेरा होता है। मां सरस्वती की उपासना का यह पर्व भी मन को चेतनामयी बनाने का ही तो उत्सव है। देखने में आ रहा है कि अब

बिटिया के जज्बाती भावों को नहीं, जागरूक सोच को भी जरूरी माना जाने लगा है। अपनी लाडलियों को प्रभावी व्यक्तित्व की धनी बनाने पर जोर दिया जाता है। जिसके चलते ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माता शारदा की उपासना की रीत वाले हमारे परिवेश में बेटियां भी अपनी बुद्धि और समझ के बल पर नित नए आसमान छू रही हैं। हर दिन अपनी जिजीविषा और प्रतिबद्धता के बल पर कुछ कर गुजरने के उदाहरण सामने आते रहते हैं।

भविष्य की बुनियादः असल में वसंत की दस्तक को सार्थक विचारों का आगमन भी माना जाता है। बेटियों के प्रति बर्ताव में आया अर्थपूर्ण बदलाव, परिवार ही नहीं, पूरे समाज के भविष्य की बुनियाद बनाने की भी शुरुआत है। घर-परिवार में लाडलियों के प्रति लगाव का भाव उनके स्वतंत्र अस्तित्व और आकांक्षाओं की स्वीकार्यता के सुखद पहलू लिए है।

एसआईआर के सम्बंध में आयुक्त एवं रोल आब्जर्वर ने ली राजनैतिक दलों की समीक्षा बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। एसआईआर 2026 के संबंध में आयुक्त एवं रोल आब्जर्वर, सरगुजा संभाग की अध्यक्षता में जिले की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, उपयुक्त श्रीमती शारदा अग्रवाल, एडिशनल एसपी, विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा जिले के सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र - प्रेमनगर, भटगांव एवं प्रतापपुर में वर्तमान में कुल 980 मतदान केंद्र हैं। पूर्व में 889 मतदान केंद्र थे, जिन्हें युक्तियुक्तरण के तहत 91 नए मतदान केंद्र जोड़कर बढ़ाया गया है। विशेष गहन पुनरीक्षण की घोषणा के उपरांत 28 अक्टूबर 2025 की स्थिति में जिले में कुल 7,40,212 मतदाता पंजीकृत थे। इनमें से 6,65,504 मतदाताओं द्वारा गणना प्रपत्र जमा किए गए। प्राप्त गणना प्रपत्रों के अनुसार 21,028 मृत मतदाता, 38,656 स्थानांतरित मतदाता, 6,465 दोहरी प्रविष्टि वाले, 7,962 अनुपस्थित तथा 597 अन्य श्रेणी के मतदाता चिन्हित किए गए। इस प्रकार कुल 74,708 मतदाताओं के गणना प्रपत्र इन कारणों से प्राप्त नहीं हुए। 23 दिसंबर 2025 को मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन के उपरांत जिले में 3,36,855 पुरुष, 3,28,642 महिला तथा 7 तृतीय लिंग मतदाता सहित कुल 6,65,504 मतदाता दर्ज किए गए हैं। तीनों विधानसभा क्षेत्रों को मिलाकर कुल 10,025 मतदाताओं को कैटेगरी 'सी' में रखा गया है। कैटेगरी 'सी' में वे मतदाता शामिल हैं, जिनका स्वयं अथवा जिनके पिता का नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में दर्ज नहीं है। ऐसे मतदाताओं को नोटिस जारी कर आयोग द्वारा निर्धारित दस्तावेज सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अथवा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। विधिवत सुनवाई के बाद स्वीकार किए गए नामों को अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। नए मतदाताओं के नाम जोड़ने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। 23 दिसंबर 2025 से 20 जनवरी की अवधि में अर्हता तिथि 1 जनवरी के अनुसार 14,057 तथा अर्हता तिथि 01 अक्टूबर 2026 के अनुसार 1,613 भावी मतदाताओं के आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिले के शासकीय महाविद्यालयों से 311 एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों से 1,441 फॉर्म-06 प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार कुल 17,422 नए मतदाताओं के नाम जोड़ने हेतु आवेदन मिले हैं। वहीं, नाम विलोपन के लिए 837 फॉर्म-7 तथा संशोधन एवं स्थानांतरण के लिए 1,324 फॉर्म-08 प्राप्त हुए हैं। बैठक में आयुक्त एवं रोल आब्जर्वर द्वारा कैटेगरी 'सी' के मतदाताओं की सुनवाई प्रक्रिया तथा मतदान केंद्रों में लॉजिकल एरर के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। इस पर उपस्थित सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों ने आपसी समन्वय से कार्य किए जाने की बात कही और निर्वाचन कार्यों की सराहना की। राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने बताया कि मतदाताओं से प्राप्त दावे एवं आपत्तियों की जानकारी प्रत्येक साप्ताहिक बैठक में साझा की जा रही है। संपूर्ण प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो रही है, जिस पर किसी भी दल को कोई आपत्ति नहीं है। बैठक में विभिन्न राजनैतिक दलों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कमिश्नर ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत कमिश्नर एवं रोल आब्जर्वर सरगुजा संभाग नरेंद्र दुग्गा द्वारा विधानसभा क्षेत्र भटगांव, प्रेमनगर एवं प्रतापपुर के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उपायुक्त श्रीमती शारदा अग्रवाल भी उपस्थित रहीं। निरीक्षण के दौरान श्री दुग्गा ने एसआईआर से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित क्षेत्रों के बीएलओ से जानकारी ली। उन्होंने मतदाता सूची अद्यतन कार्य में आ रही समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की तथा लॉजिकल एरर, नो-मैपिंग मतदाताओं एवं इससे जुड़े लंबित प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा की। कमिश्नर ने बीएलओ को निर्देशित किया कि आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने के लिए गंभीरता से कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मजबूती के लिए अत्यंत आवश्यक है।

शंकराचार्य को स्नान से रोकना सनातन परंपरा का अपमान : शशि

जिला कांग्रेस कमेटी की तीखी प्रतिक्रिया

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कांग्रेस ने प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को शाही स्नान से रोके जाने और उनके साथ हुए दुर्व्यवहार की जिला कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष शशि सिंह ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि खुद को हिंदुओं का मसीहा बताने वाली भाजपा सरकार हिंदु संतों का अपमान कर रही है और आज हालात यह हैं कि शंकराचार्य को अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर आशंका है और पिछले 36 घंटे से अनशन पर बैठने को मजबूर होना पड़ा हैं। वही सरकार की ओर से अब तक शंकराचार्य से बातचीत का कोई प्रयास नहीं किया गया। सुश्री सिंह ने कहा कि शंकराचार्य का अपमान सनातन धर्म का अपमान है। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पिछले 40 वर्षों से नियमित रूप से शाही स्नान करते आ रहे हैं और यह पहली बार है जब उन्हें इस अखंड धार्मिक परंपरा से रोका गया है। उन्होंने कहा कि मौनी अमावस्या का शाही स्नान एक अखंड परंपरा है और भाजपा सरकार ने शंकराचार्य को स्नान से रोक कर सनातन परंपरा का

अपमान किया है। भाजपा सरकार पिछले 12 वर्षों से केंद्र में सत्ता में है और हिंदुओं के नाम पर राजनीति करती रही है, लेकिन आज वही सरकार शंकराचार्य एवं उनके समर्थकों के साथ दुर्व्यवहार कर रही है। उनके शिष्यों को बाल पकड़कर घसीटा जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि शाही स्नान जैसी सदियों पुरानी परंपरा को रोकने का दुस्साहस किसी सरकार को कैसे हुआ, जबकि इस परंपरा को न मुगलों ने रोका था और न ही अंग्रेजों ने। एक ओर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को जेड-प्लस सुरक्षा दी जाती है, वहीं दूसरी ओर शंकराचार्य के समर्थकों के साथ मारपीट की जाती है। शंकराचार्य को उनकी पालकी पर जाने तक की अनुमति नहीं दी जाती। उन्होंने सवाल किया कि क्या मोहन भागवत शंकराचार्य से बड़े हो गए हैं..? शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का अपराध केवल इतना है कि वे कमियों पर सवाल उठाते हैं,सरकार की आलोचना करते हैं, अयोध्या में आधे-अधूरे राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा पर आपत्ति जताते हैं,महाकुंभ में अव्यवस्थाओं और कोविड काल के दौरान गंगा में तैरती लाशों का उल्लेख करते हैं। इसीलिए भाजपा उनका अपमान करने पर तुली है।

ओड़गी साप्ताहिक बाजार में लगा आयुष स्वास्थ्य शिविर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बुधवार को ओड़गी विकासखण्ड के साप्ताहिक

बाजार में विकासखण्ड स्तरीय आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आयुर्वेद एवं होम्योपैथी पद्धति से आमजन का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। आयुर्वेद पद्धति के अंतर्गत 357 तथा होम्योपैथी पद्धति के अंतर्गत 87 मरीजों का परीक्षण कर उन्हें आवश्यक औषधियां नि:शुल्क वितरित की गईं। शिविर में कुल 457 मरीज शिविर के माध्यम से दी गई स्वास्थ्य सेवाओं से लाभान्वित हुए।

कूप सेखेतो में आई हरियाली, आय में हुई वृद्धि के साथ परिवार में खुशहाली

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। विकासखण्ड वाड्रफनगर के ग्राम पंचायत अलका निवासी श्री रामऔतार के जीवन में कूप निर्माण खुशहाली का कारण बन गया है। वर्तमान में रामऔतार साल भर फसल ले रहे है। वे बताते हैं कि पहले जहां खेतों में सिंचाई के लिए बरसात के पानी पर निर्भर रहना पड़ता था। अब सिंचाई सुविधा से सहुलियत मिली है।

श्री रामऔतार के पास 3 एकड़ जमीन है, पानी के आभाव में पहले सीमित उत्पादन हो पाता था। कई बार फसले नष्ट हो गयी जिससे आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा था। वे बताते हैं कि अधिकारियों के मार्गदर्शन में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से सिंचाई कूप (कुआं) निर्माण के लिए कुल 2.98 लाख की स्वीकृति मिली। कुंआ निर्माण कार्य से 1.23 लाख की मजदूरी गांव के मनरेगा जॉब कार्ड धारी परिवारों को प्राप्त हुआ। रोजगार प्राप्त करने वाले ग्रामीणों में हितग्राही का परिवार भी सम्मिलित है। पहले जहां एक फसलीय खेती किया करते थे अब वे खरीफ, रबी और जायद फसले की खेती भी करने लगे है इस प्रकार कूप निर्माण हो जाने से बारहमासी फसल उगा रहें है, जिससे आय में बढ़ोत्तरी हुआ है। श्री रामऔतार कहते हैं कि अब सालभर फसल उत्पादन कर पा रहा हूं। इससे मेरी आय में वृद्धि हुई है जिससे परिवार के भरण पोषण में सहायता मिली है। पहले सिंचाई के अभाव में कम उत्पादन हो पाता था।

नवसाक्षर सरजू ने कमिश्नर से साझा किया पढ़ने लिखने का अनुभव

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। उल्लास के अंतर्गत नवसाक्षर सरजू राम ग्राम पोड़ी रामानुजनगर ने बुधवार को अपने पढ़ने-लिखने की गतिविधियों का अनुभव साझा किया। कार्यक्रम के दौरान नवसाक्षर सरजू राम ने कमिश्नर नरेंद्र दुग्गा से भेंट कर उल्लास कार्यक्रम के माध्यम से साक्षर बनने की अपनी यात्रा, दैनिक जीवन में पढ़ना-लिखना सीखने से आए सकारात्मक बदलाव तथा आत्मविश्वास में वृद्धि के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर कलेक्टर एस. जयवर्धन भी उपस्थित रहे। कमिश्नर ने सरजू राम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उल्लास कार्यक्रम समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा की रोशनी पहुँचाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने स्वयंसेवी शिक्षक सुश्री रेश्मी कुमारी के योगदान की भी प्रशंसा की और कहा कि ऐसे समर्पित शिक्षकों के माध्यम से ही नवसाक्षर भारत का सपना साकार हो रहा है। उल्लेखनीय है कि उल्लास कार्यक्रम के तहत निरक्षर एवं नवसाक्षरों को पढ़ने-लिखने के साथ-साथ जीवन उपयोगी कौशल, डिजिटल साक्षरता और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित किया जा रहा है, जिससे वे समाज की मुख्यधारा से सशक्त रूप से जुड़ सकें।

जिला न्यायालय के नए भवन का मार्ग प्रशस्त करने न्यायमूर्ति से मिले अधिवक्ता, नए भवन की रखी मांग,तत्काल पहल के निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां के जिला न्यायालय के नवीन भवन निर्माण को लेकर वर्षों से चली आ रही अड़चन अब दूर होने की उम्मीद जगी है। अधिवक्ता संघ के जिलाध्यक्ष बलराम शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने हाल ही में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा से भेंट कर इस विषय पर विस्तार से चर्चा की और ज्ञापन सौंपा है। प्रतिनिधि मंडल की बातों को गंभीरता से लेते हुए मुख्य न्यायाधिपति ने रजिस्ट्रार जनरल रजनीश श्रीवास्तव को मामले में तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इस निर्देश के बाद जिला न्यायालय के नवीन भवन निर्माण की दिशा में सकारात्मक पहल की उम्मीद बढ़ गई है। ज्ञापन में बताया गया कि वर्ष 2017 में जिला न्यायालय सूरजपुर के नवीन भवन निर्माण हेतु भूमि का चयन किया गया था। चयनित भूमि में से 1.82 हेक्टेयर वन भूमि के वन व्यपर्तन की प्रक्रिया चल रही है। इस प्रक्रिया के तहत वन विभाग द्वारा

कैंपा मद में राशि जमा करने का निर्देश दिया गया था। वर्ष 2020-21 में निर्धारित समय सीमा के भीतर 31.99 लाख रुपए जमा नहीं हो पाने के कारण राशि बढ़कर 2022-23 में 49.42 लाख हो गई। इसके बाद भी समय पर भुगतान न होने से यह राशि वित्तीय वर्ष 2025-26 में बढ़कर 64.26.559 लाख तक पहुंच गई। हालांकि पूर्व में कुछ राशि जमा की जा चुकी है। वर्तमान में वित्तीय वर्ष 2025-26 में 14 लाख 84 हजार 614 रुपए जमा किए जाने पर वन भूमि का व्यपर्तन संभव होगा और जिला न्यायालय भवन हेतु भूमि आवंटन का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि वर्ष 2013 में जिला न्यायालय सूरजपुर का गठन हुआ था। इसके बाद से न्यायालय में तहसीलों की संख्या और प्रकरणों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। बावजूद इसके न्यायालय आज भी पुराने और सीमित क्षेत्रफल वाले भवन में संचालित हो रहा है। इस स्थिति में न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं और आम जनता को मूलभूत सुविधाओं के अभाव में कार्य करना पड़ रहा है। जिला भौगोलिक दृष्टि से काफी विस्तृत है, जहां से 100 से 125 किलोमीटर दूर-दराज के क्षेत्रों से अधिवक्ता और पक्षकार न्यायालय पहुंचते हैं। लेकिन अधिवक्ताओं और पक्षकारों के बैठने की समुचित व्यवस्था तक उपलब्ध नहीं है। वर्तमान में लगभग 370 अधिवक्ता, साथ ही अन्य जिलों से आने वाले अधिवक्ता भी यहां जिला न्यायालय में न्यायिक कार्य में संलग्न हैं। नवीन भवन के अभाव में सभी को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।अधिवक्ता संघ ने मुख्य न्यायाधिपति से सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए राज्य सरकार को निर्देशित करने का अनुरोध किया है कि कैंपा मद में शेष 14 लाख 84 हजार 614 रुपए की राशि वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति से पूर्व जमा कराई जाए। इससे वन भूमि का व्यपर्तन होकर नवीन जिला न्यायालय भवन निर्माण का रास्ता साफ हो सकेगा। ज्ञात हो कि अधिवक्ताओं और आमजन को अब उम्मीद है कि उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद वर्षों से लंबित यह मामला जल्द सुलझेगा और जिला न्यायालय को आधुनिक सुविधाओं से युक्त नया भवन मिल सकेगा, जिससे न्यायिक कार्य सुचारु और सुविधाजनक रूप से संचालित हो सकेगा। इस दौरान अधिवक्ता राजेश गोयल, राजू दास भी मौजूद रहे।

बैंगलोर से नाबालिक छात्रा को वापस लाने एनएसयूआई ने कलेक्टर से किया आग्रह

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बैंगलोर के बाल विकास गृह में पिछले 6 माह से रखी गई नाबालिक छात्रा को वापस लाने के आग्रह का ज्ञापन एनएसयूआई ने कलेक्टर को सौपा है। बुधवार को पूर्व विधायक पारसनाथ राजवाड़े, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष भगवती राजवाड़े, पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अश्विनी सिंह, शहर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज डालमिया, नगर पालिका अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जफर हैदर की उपस्थिति में एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू द्वारा सौपे गए ज्ञापन में बताया गया है कि जिले के बिहारपुर क्षेत्र की एक 15 वर्षीय बच्ची जो यहां जिला मुख्यालय में अपने सहपाठियों के साथ किराये के मकान में रहकर एक निजी विद्यालय में अध्ययन कर रही थी। जिसे 30 जुलाई 2025 को अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला फुसला कर ले जाया गया जिसको आज लगभग 6 माह से अधिक

पिछले 6 माह से बाल विकास गृह में है बच्ची

समय हो गया है और छात्रा अभी तक वापस नहीं लौट सकी हैं। अधिकारियों व थाने से जानकारी प्राप्त हुई कि छात्रा को बैंगलोर के यशवंतपुर से 25 किमी दूर बाल विकास गृह में रखा गया है। जिस व्यक्ति के साथ छात्रा गई थी वह काफी दिन पहले वापस आ चुका है लेकिन छात्रा अभी तक वापस नहीं आयी है। परिजनों से बात करने पर पता चला कि महिला बाल विकास सूरजपुर के अधिकारी एवं पुलिस टीम परिवार के एक सदस्य के साथ छात्रा को लेने बैंगलोर गए थे। परंतु जिन पुलिस कर्मियों का नाम आदेशित सूची में था वह न जाकर दूसरे पुलिस कर्मी चले गए थे। बैंगलोर के बाल विकास विभाग के अधिकारी द्वारा सूची एवं पुलिस बलों का आई. डी. मिलाया गया तो मैच न होने पर उन्होंने छात्रा को ले जाने देने से मना कर दिया गया। वर्तमान में उक्त छात्रा बैंगलोर में है बच्ची को लेकर परिजन काफी लम्बे समय से परेशान है। इस विषय को गंभीरता से लेते हुए एनएसयूआई ने कलेक्टर से मुलाकात कर छात्रा को जल्द से जल्द वापस लाने का आग्रह किया है। जिस पर कलेक्टर ने पहल का भरोषा दिलाया है। इस दौरान विष्णु कसेरा, नीरज तायल, मधु साहू, सैयद नदीम, मुस्तफा खान,नतनवीर, अफरोज अंसारी, शिवम साहू, लिवनेश सिंह, सुमंत राजवाड़े, हैदर अली, आयुष शांडिल्य, ललित सहित छात्रा के पिता उपस्थित थे।

सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी के पदों की पूर्ति के लिए आवेदन आमंत्रित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं ने जानकारी दी है कि डीएमएफ मद के अंतर्गत सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी के 7 पदों की पूर्ति की जानी है। इस संबंध में पात्र उम्मीदवारों से निर्धारित प्रारूप में 27 जनवरी से 16 फरवरी 2026 तक आवेदन पत्र कार्यालय उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं बलरामपुर में अपने शैक्षणिक दस्तावेजों के 1 सेट, स्व-प्रमाणित छायाप्रति के साथ सीधे एवं रजिस्ट्रड डाक/ स्पीड पोस्ट के माध्यम से जमा कर सकते हैं। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिले के वेबसाईट का अवलोकन व कार्यालय उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं, समस्त विकासखण्ड स्तरीय पशु चिकित्सालयों व समस्त कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत के सूचना पटल की अवलोकन किया जा सकता है।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी (सा.) मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़ (छ.ग.)

नीलाम विज्ञापन

सामान्य सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि मनेन्द्रगढ वनमण्डल के अधीनस्थ काष्ठागार मनेन्द्रगढ़ में उपलब्ध ईमारती काष्ठ/जलाऊ, एवं आर.टी.एल. काष्ठ का दर्शित तिथि व समय में ई-ऑक्सन द्वारा निवर्तन किया जाना है, इच्छुक व्यापारी ई-ऑक्सन में अवश्य भाग लेवे। ई-ऑक्सन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा काष्ठागार मनेन्द्रगढ़ से प्राप्त कर सकते है।

डिपो का नाम – काष्ठागार मनेन्द्रगढ़
नीलाम दिनांक – 27-01-2026
नीलाम समय – प्रातः 09:00 बजे से प्रारम्भ

क्र0	प्रजाति	नये काष्ठ		पुराने काष्ठ	
		लट्ठा घ0मी0	बल्ली नग	लट्ठा घ0मी0	बल्ली नग
1	सागौन	0	0	114.800	1314
2	साल	175.761	0	53.996	352
3	साजा	0	0	18.339	0
4	सतकठा	0	0	0.053	2
5	खम्हार	0	0	0.357	2
6	हल्दू	0	0	1.510	0
7	धावड़ा	2.492	0	0	27
8	नैलगिरी	117.219	0	0	0
योगः–		295.472	0	189.055	1697

जलाऊ काष्ठ

क्र.	विवरण	नया लॉट	पुराना लॉट
9	जलाऊ मिश्रित	–	605 चट्टा
योग :–		–	605 चट्टा

क्र.	काष्ठ	नया लॉट		पुराना लॉट	
		नग	घ.मी.	नग	घ.मी.
10	आर.टी.एल. काष्ठ	0	0	150	2.402

टीप :– 1. केता को ई-ऑक्सन के पूर्व MSTC E-commerce पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
2. केताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व कय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है, सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर 15 प्रतिशत E.M.D. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
3. लॉट की थप्पी एवं फोटो MSTC E-commerce पोर्टल में अपने आई.डी से लॉगईन करके देख सकते है।

वनमण्डलाधिकारी
मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़

जी-252606161/2

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

भाजपा धर्म और संतों का उपयोग राजनैतिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए कर रही-कांग्रेस

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मौनी अमावस्या पर माघ मेले में शाही स्नान के लिए जाते हुए ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद एवं उनके दल के संतों के साथ उत्तरप्रदेश पुलिस प्रशासन द्वारा किए गए अभद्रता को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा के द्वारा बुधवार को जिला कांग्रेस कार्यालय, राजीव भवन में प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज में सनातन परंपरा के साथ स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती अपने दल के सदस्यों के साथ संगम स्नान के लिए जा रहे थे। इस दौरान पुलिस ने न केवल उन्हें वहां जाने से रोका, उनके दल के बुजुर्ग संतों के साथ मारपीट की गई। पुलिस द्वारा किए गए आक्रामक व्यवहार से शंकराचार्य स्वामी के द्वारा उपयोग किए जा रहे रथ की छतरी, जो सनातन धर्म की छतरी कही जाती है टूट गई। कई संतों की चुटिया खींच कर उनके साथ मारपीट की गई। पुलिस की मारपीट से घायल कई संत अस्पताल में हैं। इस दुर्व्यवहार के बाद ज्योतिर्मठ शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद 18 जनवरी से धरने पर बैठे हैं। इस घटना पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति व्यक्त करने के साथ बुधवार को छत्तीसगढ़ के सभी जिला मुख्यालयों में प्रेसवार्ता आयोजित किया।

प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि शंकराचार्य जी के साथ जो घटना हुई वो न तो औरंगजेब के समय हुई न अंग्रेजों के समय। 2014 के चुनाव के पहले भाजपा का वादा था कि गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिया जाएगा और गौ वध बंद किया जाएगा। शंकराचार्य का आरोप है कि सत्ता प्राप्त करने के बाद भाजपा अपने इस बात से पलट गई। गौ रक्षा के मामले में पलटने के कारण शंकराचार्य भाजपा सरकार से विरोध दर्ज करा रहे हैं। इसी बात से भाजपा उनसे चिढ़ी हुई है और उनके साथ सनातन धर्म के विरुद्ध आचरण कर रही है। दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई से ध्यान हटाने के लिए भाजपा उनकी पदवी पर विवाद खड़ा कर रही है, जबकि इस बात के पर्याप्त प्रमाण हैं कि गुरु-शिष्य परंपरा के तहत उन्हें पदवी प्रदान की गई। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री द्वितेंद्र मिश्रा ने कहा कि उत्तरप्रदेश की भाजपा सरकार के द्वारा शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती स्वामी के साथ की गई घटना सनातन परंपरा पर भाजपा की ओर से लगाया गया काला धब्बा है। यह स्पष्ट हो गया है कि भाजपा धर्म, और संतों का उपयोग अपने राजनैतिक उद्देश्य के लिए करती है। भाजपा के लिए संत वही है जो उनकी राजनीतिक उद्देश्य को पूरा करने के लिए कार्य करते हैं। सनातन परंपरा से आए हुए संत अगर सनातन परंपरा को कायम करने की मांग करते हैं तो भाजपा उन्हें राजनैतिक चुनौती मानती है और सनातन धर्म के करोड़ों धर्मावलंबियों के आराध्य शंकराचार्य के साथ दुर्व्यवहार करती है। जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष मो. इस्लाम ने कहा कि यह स्पष्ट हो गया है कि भाजपा सभी धर्मों की विरोधी है, उसे सिर्फ सत्ता से प्यार है। इसीलिए गौ रक्षा की मांग करने वाले शंकराचार्य स्वामी से दुर्व्यवहार किया जा रहा है, दूसरी ओर बीफ कंपनियों से सैकड़ों करोड़ का चंदा लिया जा रहा है। ब्लॉक कांग्रेस अंबिकापुर के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह धंजल ने कहा कि घटना आंख खोलने वाली है। शंकराचार्य स्वामी के साथ भाजपा सरकार के द्वारा किया जा रहा बर्ताव हिंदू धर्म के मामले में भाजपा का चोला उतारने वाला है। इस दौरान पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष हेमंत सिन्हा, रामविनय सिंह, अनूप मेहता, गुरूप्रीत सिंह सिद्धू, नरेंद्र विश्वकर्मा, जमील खान, चंद्रप्रकाश सिंह, रजनीश सिंह, सोहन जायसवाल, अमित सिन्हा, अमित सिंह, अविनाश कुमार, विकास शर्मा मौजूद रहे।

शंकराचार्य का अपमान सनातन धर्म का अपमान-हरिहर यादव

बलरामपुर। प्रयागराज माघ मेला में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को शाही स्नान से रोके जाने तथा उनके साथ हुए कथित दुर्व्यवहार को लेकर बलरामपुर कांग्रेस कमेटी ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। इस मुद्दे को लेकर बलरामपुर राजीव भवन में प्रेस वार्ता कर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष हरिहर यादव ने भाजपा सरकार की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि जो सरकार स्वयं को हिंदुओं की हितैषी बताती है, वही आज हिंदू संतों और सनातन परंपराओं का अपमान कर रही है। यह न केवल एक संत का, बल्कि सनातन धर्म का अपमान है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा हिंदुओं के नाम पर राजनीति करती रही है, आज वही सरकार शंकराचार्य और उनके समर्थकों के साथ दुर्व्यवहार कर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि सदियों पुरानी शाही स्नान परंपरा को रोकने का दु:स्साहस किसी सरकार को कैसे हुआ। कांग्रेस ने मांग की है कि सरकार तत्काल इस पूरे मामले पर स्पष्टता दे, शंकराचार्य से संवाद करे और सनातन परंपराओं का सम्मान सुनिश्चित करे। इस दौरान ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष समीर सिंह देव, रिपुजीत सिंह, ब्लाक चांदो अध्यक्ष अब्दुला खान, प्रशांत विश्वास, संजीत गुप्ता, राजा चौबे, सुनील गुप्ता, प्रेमसागर सिंह, बुद्धदेव सिंह पोया, सीबी सिंह, दिनेश कुजूर, विनय खलखो, अबरार, कृपा नारायण यादव, राम प्रताप यादव, सत्यनारायण यादव, प्रमोद यादव उपस्थित रहे।

मोबिल पीने से युवती की तबियत बिगड़ी, इलाज दौरान मौत

लिव इन में साथ रहने वाले लड़के पर मृतिका के स्वजन जता रहे संदेह

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के ग्राम तकिया में किराए के मकान में रहने वाली एक युवती कथित रूप से मोबिल पी ली, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतिका के स्वजन ने लिव इन में साथ में रहने वाले एक लड़के पर चाय के नाम पर मोबिल पिलाने का आरोप लगाया है। जानकारी के मुताबिक बलरामपुर जिला के चलगली थाना अंतर्गत की पूर्णिमा दास 21 वर्ष के माता-पिता की मौत बचपन में होने के बाद भाई-बहनों का पालन-पोषण ग्राम करजी में रहने वाली मामी की थी। युवावस्था में कदम रखने के बाद सभी अलग-अलग जीवन बसर कर रहे थे। मृतिका के भाई व मामी का कहना है कि मृतिका 3-4 साल से अंबिकापुर में रही थी। वर्तमान में वह तकिया रोड में जोड़ा नल के पास संजय नामक किसी व्यक्ति के यहां रहकर कुछ काम करती थी। 18 जनवरी को वह अपने छोटे भाई राजकुमार दास को फोन करके बताई कि वो गाड़ी में डालने वाला मोबिल पी ली है, लेने के लिए आ जाओ। गाड़ी की व्यवस्था नहीं होने के कारण राजकुमार, सूरजपुर जिला के प्रेमनगर बकिरमा में घरजिहां रहने वाले अपने बड़े भाई राजेन्द्र को फोन करके बहन के मोबिल पी लेने की जानकारी देते हुए बाइक से मानपुर पहुंचा देने के लिए कहा। इसके बाद राजेन्द्र बहन को मोटरसायकल में बैठाकर ग्राम मानपुर पहुंचा दिया था। रात हो जाने के कारण वे उसे तत्काल अस्पताल नहीं ले गए थे। घर में पूछताछ के दौरान वह अपने भाईयों को मोबिल पीने का कोई कारण नहीं बताई थी। 19 जनवरी को सुबह तबियत खराब लगने पर वे उसे वाड्रफनगर स्वास्थ्य केन्द्र ले गए। यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद स्थिति गंभीर देखकर चिकित्सक ने उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर के लिए रेफर कर दिया था, यहां इलाज के दौरान 20 जनवरी को शाम करीब 4.30 बजे उसकी मौत हो गई। इसकी सूचना मिलने पर मामी सहित परिवार के अन्य सदस्य अस्पताल पहुंचे। इनके द्वारा मोबिल पीने की घटना पर संदेह व्यक्त किया जा रहा है। ग्राम करजी में रहने वाली युवती की मामी का कहना है कि लड़की को चाय के नाम पर कुछ मिलाकर साथ में रहने वाले लड़के ने ही पिलाया है, जिससे उसकी तबियत बिगड़ी और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं घटना के बाद लड़के के द्वारा उन्हें बाहर रहने की बात कहकर गुमराह किया जा रहा है। मृतिका के परिवार के सदस्यों ने धमकी भरे लहजे में लड़के द्वारा बात करने की जानकारी भी दी जा रही है। बहरहाल स्थानीय पुलिस मृतिका के भाई का बयान लेकर शव का पोस्टमार्टम कराया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस मामले में अग्रिम जांच, कार्रवाई करेगी।

'युवा उड़ान-2026' कार्यक्रम कलाकेंद्र मैदान में आज

सुपर-30 के संस्थापक आनंद कुमार व लेखक नीलोत्पल मृणाल युवाओं का करेंगे मार्गदर्शन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग एवं जिला प्रशासन सरगुजा के संयुक्त तत्वावधान में आज 22 जनवरी को प्रात: 11 बजे शहर के कलाकेन्द्र मैदान में 'युवा उड़ान 2026' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की अंतिम तैयारियों का जायजा लेने बुधवार को राज्य युवा आयोग अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर, अपर कलेक्टर सुनील नायक कार्यक्रम स्थल पहुंचे और की गई व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस दौरान एसडीएम अंबिकापुर फागेश सिन्हा, संबंधित अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरगुजा सांसद चिंतामणी महाराज करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य गृह निर्माण मण्डल अनुराग सिंहदेव, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, महापौर नगर पालिक निगम मंजूषा भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, सभापति हरमिन्दर सिंह टिन्नी एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव उपस्थित रहेंगे।

युवाओं के कैरियर मार्गदर्शन, व्यक्तित्व विकास एवं साहित्यिक चेतना के विस्तार के उद्देश्य से 'विकसित भारत, विकसित छत्तीसगढ़, विकसित सरगुजा-युवा उड़ान 2026' आयोजित कार्यक्रम में देश के प्रख्यात गणितज्ञ, शिक्षाविद एवं सुपर-30 के संस्थापक आनंद कुमार तथा सुप्रसिद्ध लेखक एवं कवि नीलोत्पल मृणाल मुख्य मार्गदर्शक के रूप में युवाओं को संबोधित करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य यूथ आइकॉन भी कार्यक्रम में शामिल होकर युवाओं को कैरियर, शिक्षा एवं जीवन कौशल से संबंधित मार्गदर्शन देंगे।

'सीखना' केवल व्यवसायिक सफलता का साधन नहीं, एक परिवर्तनकारी शक्ति है

पीजी कॉलेज में नैतिकता, शिक्षा और उद्देश्य पर युवा संवाद का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने मुहिम फाउंडेशन फॉर पार्टिसिपेटरी एक्शन एंड ट्रांसफॉर्मेशन के सहयोग से युवा संवाद शृंखला का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को अपने शैक्षणिक और व्यक्तिगत जीवन में नैतिकता, उद्देश्य और सामाजिक उत्तरदायित्व को एकीकृत करने के लिए प्रेरित करना था। इंटरैक्टिव सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में एसकेवीएम नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज बैंगलोर के प्राध्यापक आनंद प्रकाश ने भाग लिया। उन्होंने छात्रों से संवाद करते हुए विचारोत्तेजक चर्चा का माहौल निर्मित किया, जिसमें विद्यार्थियों ने नैतिकता, समाजिकता तथा जीवन के उद्देश्य विषय पर सार्थक चर्चा की, साथ ही सामाजिक जीवन में नैतिकता और सार्थक उद्देश्य के एकीकरण के माध्यम से एक सार्थक जीवन जीने कला को समझा। शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा सक्षम मस्तिष्क का निर्माण करती है और छात्रों को बताया कि 'सीखना' केवल व्यवसायिक सफलता का साधन नहीं, बल्कि एक परिवर्तनकारी शक्ति है। संवाद का समापन प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने शिक्षा, स्वतंत्रता तथा अन्य समाजिक व समकालीन मुद्दों पर चर्चा की। छात्रों ने वक्ता के साथ सक्रिय रूप से जुड़ते हुए व्यक्तिगत आकांक्षाओं और सामाजिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाने, आधुनिक शिक्षा प्रणाली की जटिलताओं को समझने से संबंधित प्रश्न उठाए।

संबोधन में प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार सिन्हा ने छात्रों को आत्म-खोज और उद्देश्य की यात्रा पर निकलने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि अपनी आंतरिक शक्ति की खोज करें औरजीवन में अपने अद्वितीय उद्देश्य को खोजें। उन्होंने भावी नेतृत्व को आकार देने में आत्मनिरीक्षण और व्यक्तिगत विकास के महत्व पर जोर दिया। सोशल इनोवेशन एवं कम्युनिटी एंगेजमेंट सेल के समन्वयक डॉ. दीपक सिंह ने शिक्षा की मुक्तिदायक शक्ति को रेखांकित किया। उन्होंने कहा शिक्षा वह है जो हमें मुक्त करती है। उन्होंने छात्रों से एक-दूसरे के साथ जुड़ने, प्रचलित मानदंडों पर सवाल उठाने और नए विचारों और दृष्टिकोणों की लगातार खोज करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में डॉ. कामिनी, सहायक प्राध्यापक, डॉ. ब्रजेश कुमार विभागाध्यक्ष विधि विभाग उपस्थित रहे। मुहिम फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक ऋषिकेश ठाकुर ने कहा युवा संवाद शृंखला महाविद्यालय और मुहिम फाउंडेशन की युवाओं में आलोचनात्मक सोच, नैतिक नेतृत्व और सामाजिक चेतना को बढ़ावा देने की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संस्थान का उद्देश्य इस तरह की विभिन्न पहलकदमियों के माध्यम से, छात्रों को सामाजिक विकास और परिवर्तन में सक्रिय रूप से भागीदारी करने के लिए प्रेरित करना व सशक्त बनाना है।

सब्जी विक्रेताओं के बीच मारपीट, लूट सहित अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के कंपनी बाजार में सब्जी विक्रेताओं के बीच हुई मारपीट के मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने दोनों पक्ष से 8 लोगों के विरूद्ध नामजद अपराध दर्ज किया है। एक थोक सब्जी विक्रेता की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामले में लूट का मामला भी पंजीबद्ध किया है। बता दें कि कंपनी बाजार में संचालित होने वाले सब्जी मंडी में 20 जनवरी को सब्जी विक्रेता राजेन्द्र साहू व दुल्लू सब्जी भंडार के संचालक के बीच महिला किसान से सब्जी के लेनदेन को लेकर मारपीट का मामला प्रकाश में आया था। राजेन्द्र साहू ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि घटना दिनांक को सुबह करीब 8.30 बजे वह अपने पुत्र प्रियांशु गुप्ता के साथ कपंनी बाजार में सब्जी बिक्री कर रहा था, इस बीच एक किसान सब्जी लेकर आया जिसका मोल-भाव करते समय गोधनपुर निवासी उपेन्दर सौण्डिक, डिल्लू सौण्डिक, जवाहिर सौण्डिक, आकाश सौण्डिक सहित अन्य किसान को भड़काने लगे। मना करने पर सभी एकराय होकर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर मारपीट करने लगे। पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 115(2), 296, 3(5), 351(3) का मामला दर्ज किया है।

दूसरे पक्ष से थोक सब्जी विक्रेता दुल्लू सब्जी भण्डार के संचालक उपेन्द्र कुमार गुप्ता ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि घटना दिनांक को सुबह 9 बजे वह अपने भाई आकाश गुप्ता, दीपक गुप्ता के साथ दुकान में था। एक दिन पहले 19 जनवरी को महिला सूरन सब्जी का सेम्पल दिखाकर गई थी, जिसे अगले दिन लाने के लिए उन्होंने कहा था। 20 जनवरी को सुबह 9 बजे ऑटो से लगभग 2 क्विंटल सूरन सब्जी उनके दुकान में लेकर महिला तय किए गए सौदा के अनुसार आई थी। इस दौरान पड़ोसी मां शेरावाली सब्जी भण्डार का संचालक राजेन्द्र जबरदस्ती सब्जी को कम कीमत में लेकर अधिक दाम में दूसरे व्यक्ति को बेच दिया। पूछताछ करने पर राजेन्द्र और उसका लड़का प्रियांशु दोनों विवाद और गालीगलौज करने लगे। इस दौरान चाचा जवाहर प्रसाद गुप्ता बीच-बचाव करके समझाइश दे रहे थे, तो दोनों उनके साथ भी गाली-गलौज करते हुए पास में पडे डंडा से मारपीट करने लगे। घटना की जानकारी देने के लिए जब वे थाना पहुंचे तो पीछे से राजेन्द्र के लड़के प्रिंस गुप्ता, प्रियांशु गुप्ता, सूरज गुप्ता के अलावा अंकित सोनी दुकान के अंदर घुसकर आकाश के साथ मारपीट किए और दुकान का शीशा, दुकान में लगे कैमरा व इलेक्ट्रॉनिक तराजू को तोड़फोड करते हुए कांउटर में रखा सब्जी बिक्री का लगभग 30-40 हजार रुपये लूटकर ले गए। आरोपी दुकान में लगे सीसीटीव्ही के डीव्हीआर भी निकालकर ले गए हैं। रिपोर्ट पर कोतवाली थाना पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध बीएनएस की धारा 115(2), 296, 3(5), 309(6), 324(4), 331(5), 351(3) का मामला दर्ज किया है।

अनंतिम सूची जारी, दावा आपत्ति 2 फरवरी तक आमंत्रित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना अम्बिकापुर शहरी के परियोजना अधिकारी ने बताया कि परियोजनान्तर्गत रिक्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 01 व सहायिका के 03 पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किया गया था, जिसकी अनंतिम सूची प्रकाशन कर 23 जनवरी से 02 फरवरी तक दावा आपत्ति आमंत्रित की गई है। कार्यालयीन समय में सुबह 10 बजे से शाम 5.30 तक उक्त अवधि में दावा आपत्ति प्रस्तुत किया जा सकता है। सूची का अवलोकन कार्यालय के सूचना पटल पर किया जा सकता है।

जिला स्तरीय वन अधिकार समिति की बैठक 29 को

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि वन अधिकारों की मान्यता अधिनियम 2006 यथा संशोधित नियम 2012 अंतर्गत गठित जिला स्तरीय वन अधिकार समिति की बैठक का आयोजन कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला स्तरीय वन अधिकार समिति की अध्यक्षता में 29 जनवरी को दोपहर 3 बजे कलेक्टरेट सभाकक्ष में किया गया है। बैठक में जिला स्तरीय वन अधिकार समिति को प्राप्त व्याक्तिगत वन अधिकार दावों की समीक्षा सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की जाएगी।

छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा 01 फरवरी को, निर्देशों का पालन अनिवार्य

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मंडल द्वारा सरगुजा जिले में 01 फरवरी को छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 का आयोजन दो पालियों में किया जा रहा है। परीक्षा प्रथम पाली में जिले के 24 परीक्षा केन्द्रों में प्राथमिक कक्षाओं में अध्यापन हेतु पूर्वान्ह 9.30 से 12.15 बजे तक होगी, जिसमें कुल 9,416 अभ्यर्थी शामिल होंगे। इसी प्रकार द्वितीय पाली में जिले के 49 परीक्षा केन्द्रों में माध्यमिक कक्षाओं में अध्यापन हेतु अपरान्ह 3 बजे से 5.45 बजे तक परीक्षा आयोजित होगी, जिसमें कुल 16,916 अभ्यर्थी शामिल होंगे। जिला प्रशासन ने सभी परीक्षा केंद्रों में सुरक्षा एवं व्यवस्था के कड़े उपाय सुनिश्चित किए हैं, ताकि परीक्षा का संचालन पूर्ण पारदर्शिता और व्यवस्थित तरीके से किया जा सके।

बिना पॉकेट स्वेटर, आधी बांह वाले कपड़े पहनेंगे परीक्षार्थी

परीक्षार्थी परीक्षा प्रारंभ होने के दो घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र में पहुंचेंगे, ताकि फ्रिस्किंग एवं सत्यापन किया जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा। चूंकि प्रथम पाली की परीक्षा प्रात: 9.30 बजे से प्रारंभ हो रही है अत: मुख्य द्वार प्रात: 9 बजे बंद कर दिया जाएगा। द्वितीय पाली की परीक्षा दोपहर 3 बजे प्रारंभ होगी, इसलिए मुख्य द्वार दोपहर 2.30 बजे बंद कर दिया जाएगा। परीक्षार्थी हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा देने आएंगे। काला, गहरा नीला, गहरा हरा, जामुनी, मैरून, बैंगनी एवं गहरा चॉकलेटी रंग वर्जित होगा। केवल साधारण स्वेटर (बिना पॉकेट) की अनुमति है, जांच के समय स्वेटर उतारना अनिवार्य है। स्वेटर हेतु हल्के रंग एवं आधे बांह का बंधन नहीं होगा।

पैर में चप्पल और कान में किसी प्रकार का आभूषण वर्जित

धार्मिक/सांस्कृतिक पोशाक वाले अभ्यर्थियों को सामान्य समय से पहले रिपोर्ट करना होगा, उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा जांच से गुजरने उपरांत ही ऐसे पोशाक की अनुमति होगी। फुटवियर में केवल चप्पल पहनना होगा, कान में किसी भी प्रकार का आभूषण वर्जित है। परीक्षा कक्ष में संचार उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी, पर्स, बेल्ट, स्कार्फ, टोपी आदि ले जाना पूर्णत: वर्जित है। अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर कठोर कार्रवाई और अभ्यर्थिता समाप्त की जाएगी। परीक्षार्थी केवल नीले या काले बॉल पेन के साथ ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश करें।

कलेक्टर औचक निरीक्षण में बालक आश्रम तुनगुरी पहुंचे, बच्चों के साथ बैठकर किए भोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने बुधवार को लखनपुर विकासखण्ड अंतर्गत धान खरीदी केंद्र, विभिन्न विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों, आश्रम छात्रावासों, स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान वे प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के हितग्राहियों से भी मिले। उन्होंने विकासखंड अंतर्गत पीएमजीएसवाई की निर्माणाधीन सड़कों का भी अवलोकन किया। कलेक्टर आदिवासी बालक आश्रम तुनगुरी पहुंचे तथा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बच्चों के साथ बैठकर भोजन किया और भोजन की गुणवत्ता का अवलोकन किया। उन्होंने परिसर की स्वच्छता, पेयजल, शौचालयों सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लेकर अधिकारियों को बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। आश्रम परिसर में विकसित किचन गार्डन की सराहना करते हुए अधिकारियों से इसी प्रकार का गार्डन लखनपुर के अन्य बालक आश्रमों में भी विकसित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय अग्रवाल, एसडीएम उदयपुर बन सिंह नेताम, जनपद सीईओ डॉ. स्वेच्छा सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं को ही करें रिफर

कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लखनपुर अंतर्गत सेक्टर बेलखरिखा के आयुष्मान आरोग्य मंदिर कुसु का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण दौरान उन्होंने विभिन्न वार्डों में आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। चिकित्सकों एवं स्टाफ के उपलब्धता की जानकारी ली। मरीजों हेतु सुविधाओं का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने निर्देशित किया। भवन का निरीक्षण कर 01 बड़े हॉल का निर्माण कराने हेतु आवश्यक कार्ययोजना बनाकर प्रेषित करने कहा। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की मॉनिटरिंग की जाए, एचआरपी महिलाओं की काउंसलिंग समय पर की जाए। उन्होंने सामान्य गर्भवती महिला का प्रसव संस्था में एवं हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं को उच्च अस्पताल रिफर करने निर्देशित किया।

जल्द आवास पूर्ण करने किया प्रोत्साहित

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान घंटाडीह में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के हितग्राहियों से गृहभेंट कर आवास निर्माण हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने हितग्राही सुनील एवं रतियो बाई के निर्माणाधीन आवास पहुंचकर आवास निर्माण में आ रही समस्याओं की जानकारी ली और उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि हितग्राहियों के समस्या का समाधान कर अपूर्ण आवासों को जल्द पूर्ण करवाएं। उन्होंने पहाड़ी कोरवा परिवारों से शासकीय योजनाओं से मिल रहे लाभ की जानकारी ली। राशन, विद्युत आपूर्ति, पेयजल सहित अन्य सुविधाओं से अवगत हुए और उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

धान खरीदी केंद्र चांदो का किया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान उन्होंने धान खरीदी केंद्र चांदो का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने नमी मापक यंत्र से धान की नमी, धान की गुणवत्ता, तौल व भराई का जायजा लिया। धान बेचने आए किसानों से व्यवस्थाओं पर फीडबैक लिया और समिति के प्रबंधक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान खरीदी में किसी भी प्रकार की लापरवाही ना रहे। केंद्र में बारदाना उपलब्धता, रकबा समर्पण, डीओ, टोकन व्यवस्था, उठाव सहित संपूर्ण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली।

विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण

कलेक्टर ने माध्यमिक शाला कुसु, हाई स्कूल कुसु प्राथमिक शाला तुनगुरी का निरीक्षण किया। उन्होंने हाईस्कूल कुसु में आकांक्षी परीक्षा पर्व के संदर्भ में कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा में बेहतर अंक अर्जित करने प्रेरित किया। उन्होंने माध्यमिक शाला कुसु के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान दर्ज संख्या की तुलना में कम उपस्थिति पाए जाने पर आगामी दिनों में व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय परिसर, कक्षाओं सहित शैक्षणिक गतिविधियों एवं विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधाओं का अवलोकन किया। तुनगुरी आंगनबाड़ी केंद्र निरीक्षण के दौरान बच्चों हेतु समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने निर्देशित किया। उपस्थित बच्चों से बात किए और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से कुपोषित एवं मध्यम कुपोषित बच्चों की जानकारी ली। बच्चों की उपस्थिति, दिए जा रहे पौष्टिक आहार की भी जानकारी ली।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर